आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 331 | इंदौर, रविवार 28 जून, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल 14 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

अगले साल की शुरूआत में भारत आ सकते हैं ट्रम्प

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प साल 2027 की शुरूआत में भारत आ सकते हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये बयान दिया। ये ट्रम्प की राष्ट्रपति रहते हुए दूसरी भारत यात्रा हो सकती है। इससे पहले ट्रम्प साल 2020 में पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। वे अहमदाबाद में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। रूबियो से पूछा गया कि वे भारत की प्रगति, विकास और वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को कैसे देखते हैं, तो अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा, हम पीएम मोदी और उनके द्वारा किए गए कार्यों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं।

जापान में दो तूफानों का असर 200 उड़ानें रद्द, एक्सप्रेसवे बंद

टोक्यो। जापान में मौसम काफी खतरनाक मोड़ ले रहा है। यहां दो ट्रॉपिकल तूफानों ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने भूस्खलन और बाढ़ को लेकर भी चेतावनी जारी की है। सरकारी की तरफ से जारी एडवाइजरी के मुताबिक, जापान में भारी तूफान के चलते करीब 200 उड़ानें रद्द कर दी गई। कई ट्रेनों को भी स्थगित कर दिया गया है। तूफान की वजह से ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर काफी ज्यादा असर पड़ा है। जापान में भारी तूफान से अस्त-व्यस्त हुआ जीवन जापान के मौसम विभाग की चेतावनी के बाद 10 लाख लोगों से सुरक्षित जगहों पर जाने की अपील की गई है। यहां के कई इलाके इमरजेंसी अलर्ट पर हैं।

भड़काऊ बयान पर घर में ही घिरे पाक रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ फिर एक बार अपने विवादित बयान के चलते घिर गए हैं, लेकिन इस बार अपने घर में ही उन्हें लोगों की नफरत का सामना करना पड़ रहा है। ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में पाकिस्तान में ही दिए एक टीवी इंटरव्यू में कहा था, 'पीओके के रावलकोट और मीरपुर के निवासी असली कश्मीरी नहीं हैं।' पाक रक्षा मंत्री के इस बयान के साथ ही बवाल खड़ा हो गया। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के 'प्रधानमंत्री' फैसल मुमताज राठौर ने शुक्रवार को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान की कड़ी आलोचना की। राठौर ने आसिफ को जवाब देते हुए कहा, 'जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपनी पहचान के लिए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ या किसी और से पुष्टि की जरूरत नहीं है।'

ज्यादा करीब आने पर पैपराजी पर भड़कीं मलाइका अरोड़ा

मुंबई। मलाइका अरोड़ा का हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वह किसी से बात करती नजर आ रही हैं। इस दौरान पैपराजी उनके काफी करीब आ जाते हैं, जिससे वे नाराज हो गईं। मलाइका पैपराजी से कहती हैं, बाबा, आप इधर आ जाओ। जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अब तक यह जानकारी सामने नहीं आ पाई कि यह वीडियो कब और कहां का है। बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने कहा था कि उन्हें सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब पैपराजी उनकी बिना जरूरत वाली तस्वीरें क्लिक करते हैं। दिसंबर 2022 में कॉमेडियन भारती सिंह से बातचीत के दौरान मलाइका ने कहा था, मैंने कभी किसी को नहीं डांटा, जब तक किसी ने मुझे धक्का न दिया हो या गलत व्यवहार न किया हो, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब फोटोग्राफर्स मेरे चेहरे की बजाय मेरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों की तस्वीरें लेने लगते हैं।

घूमने गए थे 8 दोस्त, नदी में नहाने के दौरान तीन की डूबने से मौत

जबलपुर। तिलवारा थाना क्षेत्र में शनिवार को दोपहर तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई। गढ़ा के मुजावर मोहल्ला निवासी मोइन खान, राजा खान और साहिल खान सहित आठ दोस्तों ने शनिवार को दोपहर घूमने की योजना बनाई। सभी लोग दोपहर को लगभग दो बजे मोटरसाइकिल से तिलवारा के पास दद्दा घाट पहुंचे। सभी वहां नर्मदा नदी में नहाने लगे। इसी दौरान तीनों गहरे पानी में चले गए। उनके साथ गए दोस्तों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे देखते ही देखते उनकी आंखों से पानी में ओझल हो गए। घटना से घबराए बाकी पांच दोस्त घर आ गए। उसमें से एक ने हिम्मत करके घटना के बारे में बताया। तब स्वजन और परिचित मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई।

पुणे मर्डर में दावा- केतन का सिर कुचला हुआ था

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया दावा सामने आया है। केतन का शव रेस्क्यू करने वाले सुनील गायकवाड़ ने बताया है कि केतन के सिर पर गंभीर चोटें थीं, खोपड़ी कुचली हुई थी और हाथ-पैरों पर भी कई जगह चोट थीं। अन्य लोग रो रहे थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन सिया गोयल शांत खड़ी थी। सुनील ने कहा- शव को जंगल के रास्ते बाहर लाया गया। पुलिस को 18 जून की सुबह करीब 10.30 बजे घटना की सूचना मिली थी। बचाव अभियान दोपहर 12.30 बजे तक चला और करीब 1.30 बजे शव एंबुलेंस में पहुंचाया गया था। इधर, पुणे पुलिस ने शुक्रवार को सिया के भाई साहिल गोयल से करीब 10 घंटे पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, साहिल चेतन चौधरी को जानता है। उसने बताया कि चेतन और सिया की दोस्ती क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी।

मुंबई के भायकुला में मुहर्रम जुलूस में दर्द की दवा बताकर जहरीले कैप्सूल बांटे

14,900 कैप्सूल के साथ युवक को पकड़ा

एजेंसी ▸▸ मुंबई

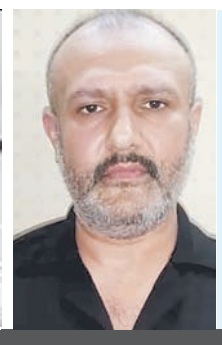

मुंबई के भायकुला में मुहर्रम जुलूस में पुलिस ने एक शख्स को चूहे मारने वाले जहर से भरे 14,900 कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुहर्रम जुलूस में एक संदिग्ध लोगों को कैप्सूल बांटने की फिराक में घूम रहा था, वह लोगों को बता रहा था कि यह हर प्रकार के दर्द को जड़ से खत्म करने की दवा है।

इसी जुलूस में एक शख्स का पेट दर्द और उल्टी होने लगी। शख्स ने बताया कि उसने एक व्यक्ति से कैप्सूल लेकर खाया था। इसके बाद पुलिस ने कैप्सूल बांट रहे संदिग्ध को पकड़कर पूछताछ की। उसने माना कि वह मुहर्रम के जुलूस में सारे कैप्सूल बांटने वाला था। आरोपी की पहचान फैयाज प्रेमजी के रूप में हुई है, जो पुणे का रहने वाला है और पेंट का कारोबार करता है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने हर कैप्सूल में करीब एक ग्राम जहर भरा था। उसने करीब 50 किलो जिंक फॉस्फाइड मंगाया था। इसका इस्तेमाल चूहे मारने के जहर के रूप में होता है। आरोपी करीब 30 हजार जहरीले कैप्सूल बनाने की तैयारी में था।

बिना परमिशन बेच रहा था कैप्सूल

डीसीपी जयंत मीणा ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि आरोपी बिना किसी परमिशन के ये कैप्सूल बांट और बेच रहा था। जांच में उसने स्वीकार किया कि उसका उद्देश्य मुहर्रम जुलूस को निशाना बनाना था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी साल 2025 में ईरान और इराक गया था। इन यात्राओं का उद्देश्य क्या था और क्या इनका इस मामले से कोई संबंध है, इसकी भी जांच की जा रही है।

जिंक फॉस्फाइड कितना खतरनाक, कैसे करता है असर

जिंक फॉस्फाइड का इस्तेमाल मुख्य रूप से चूहों को मारने के लिए किया जाता है। यह गहरे भूरे या काले रंग का केमिकल होता है, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक रोडेंटिसाइड में गिना जाता है।
जिंक फॉस्फाइड आमतौर पर खेती में और चूहों को मारने के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन इसकी आसान उपलब्धता और ज्यादा जहरीले होने के कारण सुरक्षा एजेंसियां इसके बड़े पैमाने पर अवैध स्टोरेज या संदिग्ध खरीद को बेहद गंभीरता से लेती हैं।

कम मात्रा भी हो सकती है जानलेवा

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक जिंक फॉस्फाइड की बहुत कम मात्रा भी शरीर में जहर बना सकती है। इसकी घातकता व्यक्ति की उम्र, वजन और शरीर में पहुंची मात्रा पर निर्भर करती है। जिंक फॉस्फाइड का कोई विशेष एंटीडोट (प्रतिरोधी दवा) नहीं है। मरीज को केवल सपोर्टिव ट्रीटमेंट देकर बचाने की कोशिश की जाती है।

स्वच्छ सिंहस्थ, स्वस्थ सिंहस्थ ही हमारा संकल्प: सीएम यादव

करीब 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, हर दिन 4 करोड़ श्रद्धालु कर सकेंगे अमृत स्नान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शनिवार को उज्जैन में 'सिंहस्थ-2016 के अनुभव, 2028 का संकल्प' विषय पर हुई एक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन निजी होटल में किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ : 2028 के दौरान करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का उज्जैन आने का अनुमान है। शिप्रा के नवीन घाटों और मौजूदा घाटों पर 24 घंटे में लगभग 4 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान कर सकेंगे। सभी श्रद्धालु मां शिप्रा के जल से ही स्नान कर सकें, इसके लिए हमारी सरकार हर तरह के प्रबंध कर रही है।

उन्होंने कहा है कि हर 12 साल में होने वाला सिंहस्थ भारत का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, दर्शन, पीढ़ियों से चली आ रही विरासत, अटूट आस्था और हमारी आध्यात्मिक परम्पराओं का महासंगम है। इस धार्मिक उत्सव में मां शिप्रा के जल में स्नान करने से मोक्ष प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सिंहस्थ : 2028 को नव्य प्रारूप में भव्य, दिव्य और आध्यात्मिक बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। इसके लिए हमारी सभी तरह के प्रबंधन एवं तैयारियां तेजी से जारी हैं। हम सब मिलकर पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण से काम करेंगे, तभी सिंहस्थ : 2028 एक नई मिसाल कायम करेगा।

महाराष्ट्र में टीईटी पेपर लीक

आज एग्जाम होना थी, सरकार ने परीक्षा रद्द की

एजेंसी ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा का प्रश्न पत्र करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना थी। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक, क्वेश्चन पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद एग्जामिनेशन काउंसिल के अफसरों को बुलाया और जब्त पेपर को वेरिफाई कराया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि संख्या नहीं बताई है। यह कार्रवाई एग्जाम के 24 घंटे पहले की गई। परीक्षा में 4.28 लाख से ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी टीईटी कंपलसरी है।

पीएम मोदी ने सेशेल्स में कछुओं को पत्तियां खिलाई

एजेंसी ▸▸ विक्टोरिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे। राजधानी विक्टोरिया में राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने नेशनल बोटैनिकल गार्डन में एल्डाब्रा जाइंट कछुओं को पत्तियां खिलाईं। मोदी 29 जून को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे। हिंद महासागर में बसे इस छोटे से द्वीपीय देश का भारत से रिश्ता सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि 256 साल पुराना भी है। साल 1770 में जब यहां पहली स्थायी बस्ती बसाई गई, तब वहां पहुंचने वाले 27 लोगों में 5 भारतीय भी शामिल थे।

अमेरिका ने ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

कहा- सीजफायर तोड़कर पछताएगा अमेरिका

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव

अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप एमवी एवर लवली पर ड्रोन से हमला किया था। दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। युद्धविराम का यह उल्लंघन अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछतावे की वजह बनेगा।

वेनेजुएला में फिर भूकंप के झटके

अब तक 920 मौतें, 51 हजार लापता

एजेंसी ▸▸ कराकस

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 25 जून को आए दो भूकंप के बाद स्थानीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर को एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास आए इस भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, राजधानी कराकास और माराके में भी झटके महसूस किए गए। इधर, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं।

आज कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने छात्रों, किसानों और नागरिक से 28 जून को जंतर-मंतर पर जुड़ने का आह्वान किया। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, दिपके ने कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी रविवार को जंतर-मंतर पर प्रधान गो बैक (प्रधान वापस जाओ) अभियान में शामिल होंगे।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में विस्फोट, एक की मौत, कई घायल

एजेंसी ▸▸ श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग के फॉरवर्ड एरिया में आशा पोस्ट के पास आज एक विस्फोट होने की घटना सामने आई। इस हादसे में एक नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार यह शेल कथित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इलाके में गिरा हुआ था, जो आज अचानक फट गया। विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है।

पूर्व मुख्यमंत्री सिंह का बड़नगर में ऐतिहासिक स्वागत

दिग्विजय सिंह ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे राजनीतिक हमले किए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बड़नगर आगमन पर भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। ऊँकार-लीला पैलेस, बड़नगर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने चहेते नेता की अगवानी की व पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री का स्वागत सुत की माला पहनाकर व पगड़ी पहनाकर व शाल ओढ़ाकर किया। इसके साथ ही ग्राम इंगोरिया, बलेडी, दंगवाड़ा, नरसिंगा, दौलतपुर, पीरझालार और बिरगोदा रणधीर, भैसला कलां, में भी पूर्व विधायक मुरली मोरवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ दिग्विजय सिंह का आत्मीय स्वागत किया।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने स्व. राधेश्याम मुंडेल के निवास स्थान पर पहुंचकर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

दिग्विजय सिंह ने अपने संबोधन में भाजपा की नीतियों पर उठाए गंभीर सवाल उठाए। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने देश और प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को उठाते हुए कहा कि आज पूरे देश की आस्था के केंद्र अयोध्या के राम मंदिर में अव्यवस्था और चोरी की खबरें आ रही हैं, वह बेहद चिंताजनक और शर्मनाक है।

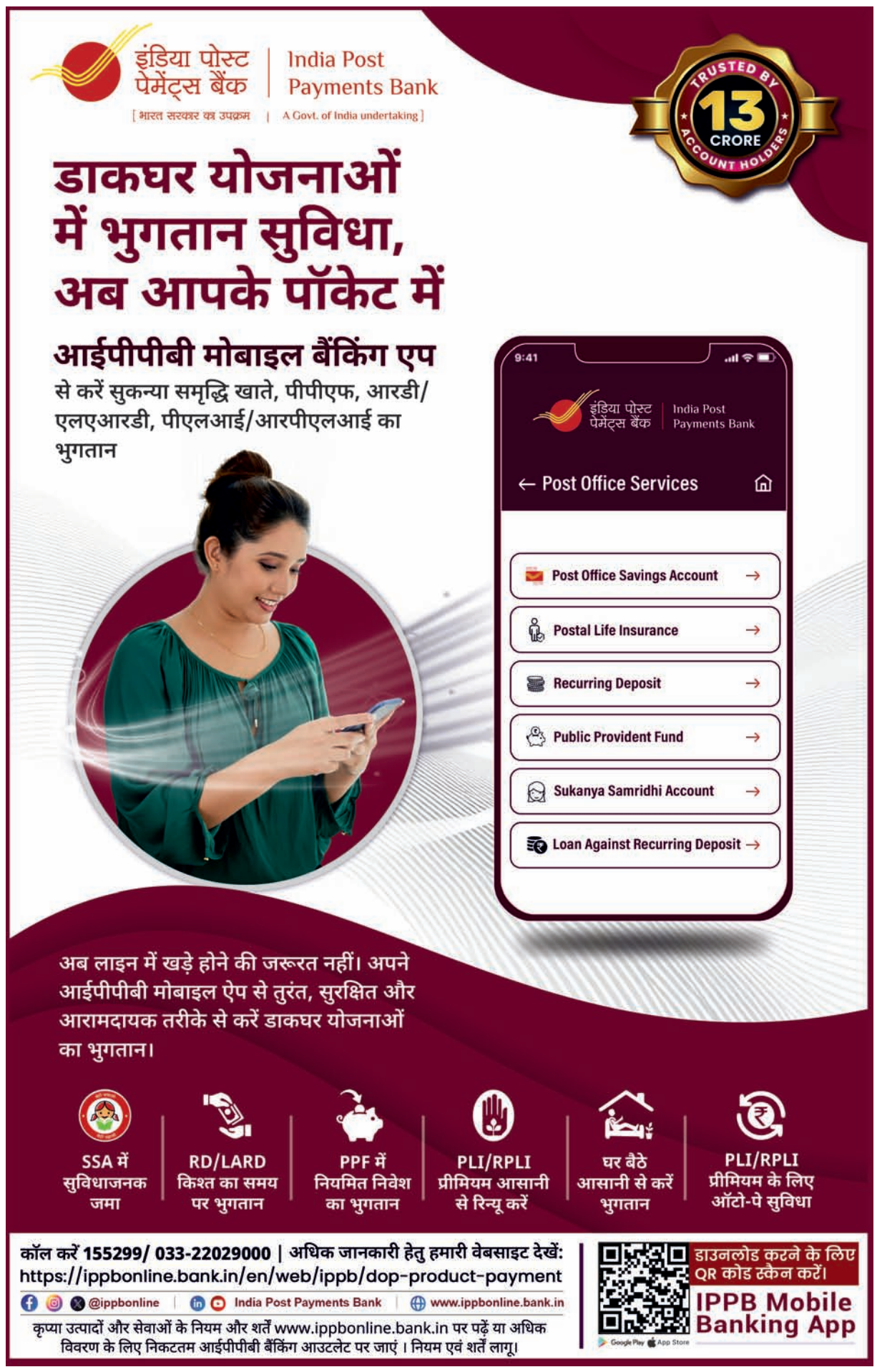

महाकाल श्रृंगार

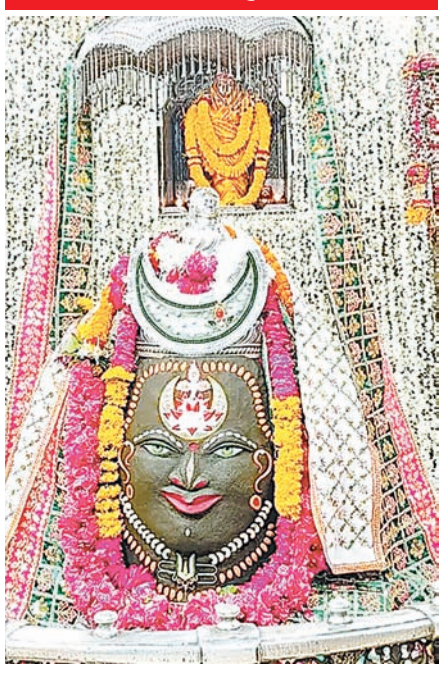

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शुक्रवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

सुरक्षा के नाम पर कुछ नहीं...

बच्चों में भविष्य देखने वाले पालक प्रति वर्ष हजारों लाखों रूपए की फीस स्कूलों, कोचिंग संस्थाओ को दे रहे हैं। इन संस्थाओं में बच्चे बराबर जाकर अध्ययन कर रहे हैं। इन संस्थाओं में बच्चों को किस तरह के हालात में अध्यापन कार्य किया जा रहा है पालकों अभिभावकों को जाकर यह भी देखना चाहिए। बच्चे चाहे जैसे हालातों में बैठकर अपने पालकों की मंशाओं को अंजाम देने में लगे हुए है। पालकों एवं बच्चों की अध्ययन के दायरे में उलझे होने का लाभ सीधे तौर पर ऐसे संस्थान उठा रहे हैं। शहर के ही कई ऐसे स्कूल एवं कोचिंग संस्थान हैं जहां बच्चों की सुरक्षा की प्राथमिक स्थिति ही स्पष्ट नहीं है। यहां तक कि प्राथमिक चिकित्सा का ही पर्याप्त कीट मौजूद नहीं मिलेगा। मात्र मरहम पट्टी का बॉक्स बनाकर उसे फर्स्ट एड बॉक्स का नाम दे दिया जा रहा है। बच्चों के पढ़ाने के लिए लाखों रूपए महीने किराए के भवनों को तो ऐसे संस्थानों ने ले लिया है लेकिन बच्चों के आपातकालीन स्थिति में वहां से निकलने की पर्याप्त व्यवस्था तक नहीं हैं। मापदंडों की पूर्ति तो ठीक हालात ऐसे हैं जिसे पालक सुरक्षात्मक मापदंडों के दायरे से देखें तो तत्काल ही इन पर कार्रवाई को लेकर प्रश्न खडे कर दें। अग्निशमन यंत्रों के हालात स्कूलों एवं कोचिंगों में ऐसे हैं कि मियाद समाप्ति के उपरांत वाले यंत्र दिवारों पर टांग कर रखे गए हैं। अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र तो बहुत दूर की बात है। शहर की संस्था को अब अपना ध्यान स्कूलों की और भी देना चाहिए। कोचिंग एवं स्कूल के मापदंड के अनुसार अग्निशामक यंत्रों की उपलब्धता भी नहीं मिलती है। खानापूर्ति के लिए गिनती के एक दो कमरों में अग्निशमन यंत्र लटका दिए जा रहे हैं। फायर अलार्म एवं स्मोक डिटेक्टर सिस्टम, फायर हाइड्रेंट एवं स्प्रिंकलर सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग, इमरजेंसी लाइटिंग, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था, आपदा प्रबंधन योजना तथा फायर एनओसी तो बहुत दूर की स्थिति है। नाममात्र के संस्थानों के पास ही ये सब मिलेगा। अगर मिल भी जाएगा तो उसके सक्रिय होने की स्थिति होने पर ही उसकी सार्थकता है। अन्यथा फायर अलार्म तो है लेकिन वह काम ही नहीं करता है। स्मोक डिटेक्टर सिस्टम धूल पड़ने से अब सक्रिय नहीं रहा है बस लगा हुआ है। फायर हाइड्रेंट एवं स्प्रिंकलर सिस्टम लगा है लेकिन उसे नियमित तौर पर जांचने के अभाव में वह जंग खा रहा है और वक्त आने पर चल ही नहीं पा रहा है। आपातकालीन निकास मार्ग में कबाड़ा और अनावश्यक सामग्री का ढेर लगा हुआ है। भवनों में इमरजेंसी लाइटिंग, प्रमाणित विद्युत सुरक्षा व्यवस्था का अभाव है। आपदा प्रबंधन योजना सिर्फ कागजों तक सिमटी हुई है उस पर कभी भी माकड्रिल नहीं की जाती है। खुसूर-फुसूर है कि अग्निशमन को लेकर सिर्फ एनओसी तक सिमित रहना तो मात्र कागजों के भरोसे रहने जैसा है। इसके लिए शहर की संस्था को ऐसे स्थानों पर माकड्रिल के लिए भी प्रेरित किया जाना चाहिए और उसमें प्रबंधन के साथ बच्चों को भी शामिल किया जाना चाहिए। सिर्फ कागजी खानापूर्ति से अब आगे आना होगा और वही दुर्घटना से बचाव का सही रास्ता होगा।

न्यूज कॉलम

हज यात्रा 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, जरूरी होंगे डॉक्यूमेंट्स

उज्जैन। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अंतर्गत 'हज कमेटी ऑफ इंडिया' ने हज यात्रा 2027 के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। योग्य और इच्छुक यात्री कमेटी की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल एप्लीकेशन हज सुविधा के माध्यम से अपना ऑनलाइन आवेदन दर्ज कर सकते हैं। आवेदकों को सूचित किया गया है कि वे केवल निर्धारित साइज में स्कैन की हुई प्रतियां ही अपलोड करें (मोबाइल से खींचे गए फोटो स्वीकार्य नहीं होंगे)। मशीन-पठनीय पासपोर्ट के प्रथम एवं अंतिम पृष्ठ की स्कैन कॉपी। पासपोर्ट आवेदन की अंतिम तिथि तक जारी हो चुका हो तथा कम से कम 31 दिसंबर 2027 तक वै अनिवार्य है। नवीन फोटोः पासपोर्ट आकार की नवीनतम रंगीन फोटो। बैंक विवरणः बैंक पासबुक का फ्रंट पेज अथवा निरस्त चेक। पते का प्रमाणः वैध निवास/पते का प्रमाण पत्र।

ट्रेडिंग

आपदा प्रबंधन के लिए नई तकनीक की ताकत का इस्तेमाल होगा

सिंहस्थ-2028 में तैनात होंगे अग्निशमन रोबोट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ -2028 में आपदा प्रबंधन के लिए नई तकनीक की ताकत का इस्तेमाल होगा। इसक चलते अग्निशमन रोबोट, एटीवी एवं क्यूआरवी (सीएएफएस सहित) ऑल टेरेन व्हीकल (एटीवी) एवं क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल (क्यूआरवी) को कम्प्रेस्ड एयर फोम सिस्टम (सीएएफएस) से सुसज्जित तैनात किए जाएंगे। फायर ड्रोन एवं वायवीय निगरानी प्रणाली के तहत यूएवी (ड्रोन) आधारित तकनीक से मेला क्षेत्र की निगरानी की जाएगी।

उज्जैन में एक मजबूत, आधुनिक, तकनीक-संचालित एवं त्वरित आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली विकसित करना, जो राष्ट्रीय स्तर की सर्वोत्तम व्यवस्थाओं के अनुरूप होने के साथ-साथ स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप भी पूरी तरह सक्षम हो। अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के लिए नई तकनीक की ताकत का इस्तेमाल होगा। इसे लेकर विशेषज्ञों ने शुक्रवार को लाईव डेमों दशहरा मैदान में कलेक्टर रोशनकुमारसिंह एवं निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा के साथ आमजन के समक्ष दिया है।

डेमो में कर्मचारियों ने संचालन सीखा- सिंहस्थ 2028 की व्यापकता, श्रद्धालुओं की भीड़ और गतिशील जोखिमों को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को दशहरा मैदान पर अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन का लाइव किया गया। अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. पी.एस. राँहागडाले एवं टीम द्वारा आधुनिक अग्निशमन उपकरणों, मशीनों एवं नई तकनीकों का प्रदर्शन इस दौरान किया गया है। लाइव डेमो के दौरान नगर निगम के फायर कर्मचारियों को अत्याधुनिक अग्निशमन संसाधनों के संचालन, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने दिया लाइव डेमो

निगम कर्मचारियों को संचालन भी बताया

आयुक्त बोले शहर की प्राथमिक जरूरत- नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने इस दौरान कहा कि अग्नि सुरक्षा केवल सिंहस्थ महापर्व की आवश्यकता नहीं, बल्कि वर्तमान समय में पूरे शहर की प्राथमिक जरूरत है। आधुनिक तकनीकों और नवीन उपकरणों के उपयोग से संकरी गलियों, घाट क्षेत्रों तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी त्वरित एवं प्रभावी अग्निशमन सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। निगम आयुक्त ने कहा कि इस प्रशिक्षण और लाइव प्रदर्शन से नगर निगम की फायर टीम को नई तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ है, जिससे भविष्य में आपातकालीन परिस्थितियों से बेहतर ढंग से निपटा जा सकेगा।

अधिकारियों ने भी देखा डेमो- लाइव डेमो के दौरान दशहरा मैदान पर अपर आयुक्त संतोष टैगोर, उपायुक्त मनोज मौर्य, अधीक्षण यंत्री प्रमोद मालवीय, फायर ऑफिसर एलपी साहू एवं फायर कर्मचारियों के साथ मिडिया एवं आमजन ने उपस्थित रहकर आधुनिक तकनीक को देखा और सराहा।

ये है प्रस्तावित आधुनिक अग्नि सुरक्षा प्रणाली

प्रस्तावित आधुनिक अग्नि सुरक्षा प्रणाली के प्रमुख घटक इस दौरान प्रदर्शित किए गए। जिसमें उन्नत अग्नि प्रतिक्रिया प्रणाली के तहत एटीवी एवं क्यूआरवी (सीएएफएस सहित) ऑल टेरेन व्हीकल एवं क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल को कम्प्रेस्ड एयर फोम सिस्टम से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे संकरी गलियों, घाट मार्गों और अत्यधिक भीड़ वाले क्षेत्रों में भी त्वरित अग्निशमन संभव होगा।

- अग्निशमन रोबोट प्रणाली में उच्च घनत्व वाली भीड़ और जोखिमपूर्ण स्थानों पर अग्निशमन रोबोट की तैनाती से बिना मानव जीवन को खतरे में डाले प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य किए जा सकेंगे। ये दूर-संचालित एवं स्वायत्त इकाइयाँ खतरनाक क्षेत्रों में भी कार्य करने में सक्षम हैं।
- फायर ड्रोन एवं वायवीय निगरानी प्रणाली के तहत यूएवी (ड्रोन) आधारित तकनीक के माध्यम से विशाल मेला क्षेत्र की रियल-टाइम निगरानी, थर्मल इमेजिंग, आग की त्वरित पहचान एवं क्षति का आकलन किया जा सकेगा, जिससे राहत कार्यों की गति और सटीकता दोनों बढ़ेंगी।
- प्री-फैब्रिकेटेड एवं मोबाइल कंट्रोल सिस्टम के तहत शीघ्र स्थापित होने वाली मोबाइल एवं प्री-फैब्रिकेटेड अवसंरचना के माध्यम से सिंहस्थ क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार कमांड एवं कंट्रोल सेंटर को कम समय में स्थापित, स्थानांतरित और विस्तारित किया जा सकेगा।

श्रम विभाग को सूचना देना अनिवार्य हुआ लेकिन दी नही जा रही

निर्माण बरकरार, पोर्टल दरकिनार

न जेल और न ही जुर्माना से भय खा रहे ठेकेदार, सिर्फ मजदूरों से काम करा रहे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

श्रम विभाग के नए नियमों के अंतर्गत निर्माण में लगे श्रमिकों की जानकारी को पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य किए जाने के बावजूद ठेकेदार गली निकाल कर श्रमिकों से काम करवा रहे हैं। निर्माण के काम बरकरार हैं और पोर्टल पर पंजीयन की प्रक्रिया को दरकिनार किया जा रहा है। स्थिति यह है कि शहर में चल रहे सैंकडों कामों में से कुछ ही के पंजीयन किए गए हैं। न तो जेल और न ही जुर्माना से ठेकेदार भय खा रहे हैं और मजदूरों से बराबर काम करवा रहे हैं। कई मामलों में तो सुरक्षा मानकों को भी ताक पर रख दिया जा रहा है।

श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा, स्वस्थ कार्य परिवेश सुनिश्चित करने और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत अब सभी निर्माण स्थलों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षा अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। इसके लिए 'श्रम सेवा पोर्टल' मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्माण स्थल का विवरण, कर्मचारियों की संख्या और लोकेशन सहित अन्य आवश्यक जानकारियां एकत्र की जा रही हैं, जिससे नियोजक श्रमिकों को दी जा रही सुविधाओं का विवरण दे सकें।

निर्माण प्रारंभ करने के 30 दिन पहले सूचना- भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम 1996 के प्रावधानों के अनुसार, किसी भी भवन या निर्माण कार्य को प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पहले संबंधित क्षेत्र के अधिकारिता रखने वाले निरीक्षक को इसकी सूचना देना वैधानिक रूप से अनिवार्य है। नियोजकों को निर्माण स्थल और वहां अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की पूरी जानकारी साझा करनी होगी। यह सूचना एम.पी.बी.ओ.सी.डब्ल्यू. के ऑनलाइन पोर्टल या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम से दी जा सकती है। निर्माण कार्य की पूर्व सूचना न देना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित नियोक्ता पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ये हैं प्रावधान- अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई नियोजक धारा 46 के अधीन निर्माण कार्य शुरू करने की पूर्व सूचना देने में विफल रहता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर नियोक्ता को तीन महीने तक के कारावास, दो हजार रुपये तक के जुर्माने या फिर दोनों सजाओं से दंडित किया जा सकता है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य के सभी निर्माण विभागों को भी निर्देश जारी किए गए हैं कि वे कोई भी निर्माण कार्य शुरू करने से पहले श्रम विभाग को इसकी सूचना अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

श्रम प्रहरी दे सकते हैं सूचना

निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए आम नागरिकों को भी इस मुहिम से जोड़ा गया है। कोई भी जागरूक नागरिक श्रम प्रहरी की भूमिका निभाते हुए ऐसे किसी भी निर्माण स्थल की जानकारी दे सकता है, जिसकी सूचना श्रम विभाग को न दी गई हो। इसके लिए विभाग द्वारा एक विशेष कंट्रोल रूम नंबर 1800-233-8888 जारी किया गया है, जिस पर आमजन अपनी सूचना दर्ज करा सकते हैं।

स्थलों पर सूचना पट्ट नहीं

खास यह है कि इस नियम को सिरे से ही धूल में मिलाने के लिए ठेकेदारों ने बहुत पहले ही प्रपंच तैयार कर लिया था। निर्माण स्थलों पर प्रारंभिक जानकारी के लिए लगने वाले सूचना पट्ट ही नहीं लगाए जा रहे हैं ऐसे में आम आदमी को इस बात की जानकारी ही नहीं है कि यह निर्माण कब से शुरू हुआ और इसमें श्रमिक नियोजन की स्थिति क्या है। ऐसे में ठेकेदार गली निकाल कर ठेंगा दिखा रहे हैं।

दैनिक अवन्तिका.उज्जैन। श्री महाकालेश्वर ग्रुप द्वारा आयोजित आवास मेला उज्जैन में शुक्रवार प्रथम दिवस पर बंगलौ खरीदने पर लकी ड्रा में ललिता भूतोड़िया ने इलेक्ट्रिकल स्कूटर प्राप्त किया। स्कूटर की चाबी प्राप्ति की श्री महाकालेश्वर ग्रुप के डायरेक्टर संतोष चौहान ने शुभकामनाएं दी गई।

हिंदी पत्रकारिता की नर्सरी थे ठाकुर शिवप्रताप सिंह, 11 साहित्यकारों का हुआ सम्मान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मूर्धन्य पत्रकार ठाकुर शिवप्रताप सिंह की कलम में ऐसा जादू था कि उनसे बड़े-बड़े कांपते थे। वे केवल पत्रकार ही नहीं, बल्कि कलम के सच्चे सिपाही थे। उनकी इसी निर्भीक परंपरा और मशाल को अग्निपथ व चंदेल परिवार आगे बढ़ा रहा है। यह बात ठाकुर शिवप्रताप सिंह स्मृति साहित्यकार सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. शिव चौरसिया ने कही। समारोह में शहर के 11 साहित्यकारों को शॉल और सम्मान पत्र देकर अलंकृत किया गया। आयोजन की जानकारी देते हुए चंद्रभान सिंह चंदेल ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष अतिथि सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. शैलेंद्रकुमार शर्मा ने कहा कि ठाकुर शिवप्रताप सिंह ने हिंदी पत्रकारिता में प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वे पत्रकारिता की नर्सरी थे और उनके द्वारा रोपे गए मूल्यों से हम कभी उऋण नहीं हो पाएंगे।

मानसून की रफ्तार तेज, अगले 48 घंटे अहम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटे प्रदेश के लिए बेहद अहम रहने वाले हैं। संभावना है कि मानसून इसी दौरान भोपाल और उज्जैन संभाग तक पहुंच जाएगा। हालांकि ग्वालियर-चंबल, सागर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में मानसून सबसे आखिर में दस्तक देगा। इस बीच शनिवार को प्रदेश के 45 जिलों में तेज हवा और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने आगर-मालवा और सीहोर में 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक कि रफ्तार से आंधी और तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं भोपाल, रायसेन, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, धार, झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह और छतरपुर समेत कई जिलों में हल्की से भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

उज्जैन में कोचिंग संस्थानों पर फायर सेफ्टी की सख्ती

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

लखनऊ और आगरा में हुए हादसों के बाद देशभर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसी के मद्देनजर उज्जैन नगर निगम ने भी फायर सेफ्टी नियमों के पालन को लेकर सख्त रुख अपनाया है।

नगर निगम ने शहर के प्रमुख कोचिंग संस्थानों की चेकिंग की है और स्पष्ट किया है कि फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ सील करने सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी।गुरुवार को निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर सहायक आयुक्त रविकांत मगरदे और फायर ऑफिसर लक्ष्मण प्रसाद साहू ने शहर के तीन प्रमुख कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। इनमें सनशाइन टावर स्थित आकाश कोचिंग इंस्टिट्यूट, दुर्गा प्लाजा के सामने स्थित कौटिल्य एकेडमी और गारंटी सक्सेस कोचिंग संस्थान शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र, अग्निशमन ऑडिट रिपोर्ट, भवन अनुज्ञा और विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज जांचे गए। निरीक्षण टीम ने संस्थानों में स्थापित अग्निशामक यंत्रों, फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर सिस्टम, फायर हाइड्रेंट, स्प्रिंकलर सिस्टम और आपातकालीन निकास मार्गों की कार्यशीलता की भी जांच की। इसके अतिरिक्त, इमरजेंसी लाइटिंग, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था और आपदा प्रबंधन योजना का भी विस्तार से आकलन किया गया।

नानाखेड़ा से शांति पैलेस चौराहे तक का सड़क चौड़ीकरण कार्य काफी धीमा चलने से...

रोज लग रहा वाहनों का लंबा जाम, व्यवस्था सुधारने के लिए कोई उपाय नहीं

ना हीं सड़क चौड़ीकरण कार्य में तेजी लाई जा रही

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नानाखेड़ा चौराहे से शांति पैलेस चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है इस कारण इस मार्ग पर आवागमन बंद है ऐसे में नानाखेड़ा की तरफ जाने के लिए एकमात्र मित्र नगर वाला वैकल्पिक मार्ग है जो की काफी संकरा है और इसी मार्ग से वाहनों की आवाजाही हो रही है। ऐसे में पूरे दिन इस मार्ग पर जाम लगता रहता है। इसके साथ ही शांति पैलेस चौराहे पर भी यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ी हुई है।

एक तरफ पुल का निर्माण कार्य चल रहा है दूसरी तरफ इस पुल के नीचे मार्ग से वाहनों की आवाजाही हो रही है। ऐसे में यहां की व्यवस्था भी पूरे दिन बिगड़ी रहती है। लेकिन खास बात यह है की व्यवस्था सुधारने के लिए पर्याप्त यातायात जवान भी मौजूद नहीं रहते हैं न हीं सड़क चौड़ीकरण के कार्य में तेजी लाई जा रही है। ताकि यहां कि व्यवस्था जल्द सुधर सके। इस कारण शांति पैलेस चौराहे से महामृत्युंजय द्वार तक रोज वाहनों का लंबा जाम लगा रहता है। कई बार तो यह स्थिति रहती है कि जब वाहनों का जाम लग जाता है तो आम नागरिक यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने में लग जाते हैं। पिछले कई महीनो से यहां की यातायात व्यवस्था बिगड़ी हुई है। शांति पैलेस चौराहे पर यातायात व्यवस्था बिगड़ने का एक प्रमुख कारण यह भी है कि नानाखेड़ा चौराहे से शांति पैलेस चौराहे तक किया जा रहा सड़क चौड़ीकरण का कार्य काफी धीमा चल रहा है न हीं इस निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है जब से सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू हुआ है तब से इस मार्ग पर आवागमन बंद है। ऐसे में शांति पैलेस चौराहे पर हमेशा यातायात का दबाव अधिक रहता है और वाहनों का लंबा जाम लग रहा है नानाखेड़ा स्टेडियम के पीछे मित्र नगर वाले संकरे मार्ग से वाहनों की आवाजाही हो रही है ऐसे में इस मार्ग पर हमेशा वाहनों का जाम लगा रहता है।

छुट्टी के दिन स्थिति और भी बिगड़ रही

छुट्टी के दिन यहां की स्थिति और भी बिगड़ जाती है छुट्टी के दिन बड़ी संख्या में इंदौर सहित अन्य जगह से बाहर के श्रद्धालु महाकाल दर्शन के लिए पहुंचते हैं ऐसे में इंदौर रोड शांति पैलेस चौराहे पर पूरे दिन जाम लगता रहता है। लेकिन खास बात यह है कि यहां की व्यवस्था सुधारने के लिए यहां चल रहे निर्माण कार्यों में तेजी भी नहीं लाई जा रही है। अगर नानाखेड़ा से शांति पैलेस चौराहे सड़क जल्द बनाकर तैयार हो जाती है तो काफी हद तक यहां की यातायात व्यवस्था सुधर जाएगी लेकिन उसके लिए कोई भी प्रयास नहीं किया जा रहे हैं इस कारण पूरे दिन शांति पैलेस चौराहे पर जाम लग रहा है और कई देर तक लोग जाम में फंसे रहते हैं सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और कई बार तो यह स्थिति बनती है कि दोनों तरफ के वाहन आपस में गुत्थम गुत्था होते रहे थे और जल्दी निकलने की होड़ में वाहन चालक आपस में विवाद कर बैठते हैं।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

न्यूज ब्रीफ

हाउसिंग बोर्ड ने लगाया समस्या समाधान शिविर

इंदौर। मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, वृत्त इंदौर द्वारा गुरूवार को विभिन्न कॉलोनियों के निवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंडल के अध्यक्ष ओम जैन की उपस्थिति रही। वृत्त कार्यालय, प्रेस कॉम्प्लेक्स के सामने आयोजित इस शिविर में लगभग 300 हितग्राहियों की समस्याएं सुनी गईं। शिविर के दौरान नामांतरण, लीज नवीनीकरण, रजिस्ट्री, फ्रीहोल्ड, अनापत्ति प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों पर सुनवाई की गई। प्राप्त 105 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया तथा 5 हितग्राहियों को नामांतरण एवं फ्रीहोल्ड प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

कैशलेस स्वास्थ्य योजना में शामिल होने का दिया एक और अवसर

इंदौर। मध्य प्रदेश शासन के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा संचालित अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत अब तक शामिल होने से वंचित रह गए कार्मिकों, पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों को योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु एक और अवसर प्रदान किया गया है। एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता मानव संसाधन एवं प्रशासन धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पात्र कार्मिकों, पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों से 25 जून 2026 से 20 जुलाई 2026 तक पुनः आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जो पात्र हितग्राही वर्तमान में योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं और अब इसमें शामिल होना चाहते हैं, उन्हें योजना के प्रारंभ होने की तिथि से अब तक देय सभी अंशदान किस्तों का भुगतान एकमुश्त करना होगा।

700 रुपए में खरीदी फ्रेंच बुक पड़ी-पड़ी हुई रद्दी

इंदौर। पहले से ही महंगी कॉपियों-किताबों के बोझ तले दबे सीबीएसई स्कूलों के अभिभावकों को एक और झटका लगा है। नया सत्र शुरू होने के बाद बोर्ड ने ₹ थर्ड लैंग्वेज पॉलिसी' अनिवार्य रूप से इसी सत्र से लागू कर दी है। इस नए नियम ने स्कूलों से 'फ्रेंच' को इस कदर बाहर किया कि पैरेंट्स द्वारा 400 से 700 रुपए में खरीदी गई महंगी किताब रद्दी हो गई। दरअसल, नए फॉर्मूले में अंग्रेजी को ₹विदेशी भाषा' माना गया है, जिससे अब छात्रों के लिए फ्रेंच की जगह ₹संस्कृत' पढ़ना अनिवार्य हो गया है। विडंबना यह है कि बुक डिपो वालों ने भी इन किताबों को वापस लेने से साफ मना कर दिया है, क्योंकि पब्लिशर्स को माल वापसी की डेडलाइन निकल चुकी है। नतीजा यह कि अब अभिभावकों की जेब पर जबरन दोबारा संस्कृत की महंगी किताबें खरीदने की दोहरी मार पड़ रही है।

आईटीआई में प्रवेश लेकर संवारा जा सकता है भविष्य

इंदौर। तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। शासकीय संभागीय आईटीआई, नंदानगर, इंदौर में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। प्राचार्या ने बताया कि 8वीं, 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी आईटीआई में प्रवेश लेकर तकनीकी दक्षता हासिल कर सकते हैं। आईटीआई का प्रशिक्षण युवाओं को न केवल रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कुशल बनाता है। आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही अप्रेंटिसशिप के माध्यम से उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर वे अपने कौशल को और अधिक निखार सकते हैं। इसके अलावा स्वरोजगार के जरिए अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी खुलता है। प्राचार्या ने यह भी बताया कि आईटीआई प्रशिक्षण अग्निवीर भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी अवसरों में भी युवाओं के लिए उपयोगी साबित होता है।

इंदौर के आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा जप्त

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निदेर्शानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व एवं एडीईओ जहांगीर खान तथा वृत्त- बालदा कॉलोनी उप-निरीक्षक प्रियंका रानी चौरसिया एवं टीम के गत दिवस दशहरा मैदान रोड से दो पहिया वाहन क्रमांक-MP09-UD-6294 एक्टिवा स्कूटर गाड़ी को रुकवा कर तलाशी लेने पर 12 बोतल बैक वेंचर की विदेशी मदिरा व्हिस्की (कुल 9 बल्क लीटर) बरामद किया गया, जो अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही थी। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा को जप्त किया गया।

मध्यप्रदेश के पेंशनर्स ने मुख्यमंत्री से मांगों पर शीघ्र निर्णय की मांग की

उज्जैन। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर राज्य के करीब 5 लाख पेंशनर्स की लंबित मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग उठाई है।संगठन ने कहा कि समस्याओं का समाधान न होने से पेंशनर्स और उनके परिवारों में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। केंद्र की देय तिथि से न तो महंगाई राहत मिल रही है और न ही स्वास्थ्य संबंधी लाभ, जिससे पेंशनर्स को अभावग्रस्त जीवन जीना पड़ रहा है।ज्ञापन में धारा 49(6) को तत्काल समाप्त करने की मांग करते हुए संगठन ने राज्य सरकार की घोषित केशलैस बीमा योजना में प्रीमियम व्यवस्था पर भी आपत्ति जताई। कर्मचारियों से 1 प्रतिशत और पेंशनर्स से 4 प्रतिशत प्रीमियम लेने की बात है, जिसे असमान और अन्यायपूर्ण बताया गया है।

गैस पाइपलाइन हादसा जिम्मेदारी किसकी?

अधिकारी और पार्षद के दावों के बीच दो दिन में सामने आएगा सच

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर के चर्चित गैस पाइपलाइन हादसे के बाद अब पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करने को लेकर जांच निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। नगर निगम की जांच समिति अगले दो दिनों में अपनी रिपोर्ट निगम प्रशासन को सौंपेगी। इस बीच नगर निगम के अपर आयुक्त एवं जांच समिति के प्रमुख आशीष पाठक और क्षेत्रीय पार्षद बालमुकुंद सोनी के बयानों से मामले में अलग-अलग पक्ष सामने आए हैं।

वहीं हादसे में गंभीर रूप से झुलसी कंटेंट क्रिएटर राजकुमारी उर्फ जिनी झाला ने बेहतर इलाज के लिए अहमदाबाद रवाना होने से पहले दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अपर आयुक्त बोले– सूची में नहीं था स्थान, रिपोर्ट में तय होगी जिम्मेदारी

नगर निगम के अपर आयुक्त एवं जांच समिति के प्रमुख आशीष पाठक ने बताया कि घटना स्थल पर बोरिंग नहीं बल्कि वाटर रिचार्जिंग का कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर यह कार्य हुआ, वह नगर निगम की निर्धारित सूची में शामिल नहीं था। अब जांच का मुख्य विषय यही है कि उस स्थान का चयन किसने किया और किस स्तर पर वहां कार्य कराने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है तथा जांच समिति अगले दो दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंप देगी। रिपोर्ट में स्पष्ट होगा कि गलती किसकी थी और वास्तविक जिम्मेदार कौन है।

पार्षद सोनी का दावा– सब इंजीनियर ने दी थी जानकारी

क्षेत्रीय पार्षद बालमुकुंद सोनी ने कहा कि घटना से एक दिन पहले संबंधित सब इंजीनियर ने उन्हें फोन कर बताया था कि उक्त स्थान पर वाटर रिचार्जिंग का कार्य होना है। उनके अनुसार, वहां पहले से मौजूद दो बोरवेल के बेहतर रिचार्ज के उद्देश्य से इस स्थान का चयन किया गया था। उन्होंने कहा कि जिस ठेकेदार ने यह कार्य किया, उससे उनकी कभी मुलाकात नहीं हुई और न ही वे उसे पहचानते हैं। केवल ठेकेदार का फोन आया था कि उसे यह कार्य मिला है और वह निर्धारित स्थान पर काम कर रहा है। पार्षद ने बताया कि घटना वाले दिन उनके यहां सुंदरकांड पाठ का आयोजन था, जिसकी जानकारी उन्होंने पहले ही सब इंजीनियर को दे दी थी कि संभवत वह इस रिचार्जिंग के काम में उपस्थित नहीं हो पाएंगे।

उनका कहना है कि यह नगर निगम का कार्य था और जल संरक्षण की दृष्टि से वाटर रिचार्जिंग कराया जा रहा था।

अहमदाबाद रवाना होने से पहले पीड़िता ने उठाए सवाल

हादसे में गंभीर रूप से झुलसी कंटेंट क्रिएटर राजकुमारी उर्फ जिनी झाला को शुक्रवार को हाईकोर्ट के निर्देश पर एयर एम्बुलेंस से अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल भेजा गया। रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से कहा कि केवल ठेकेदार और वाहन चालक पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि जिन अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की लापरवाही से यह हादसा हुआ, उनकी जिम्मेदारी भी तय कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

अब रिपोर्ट पर टिकी हैं शहरवासियों की निगाहें

गैस पाइपलाइन हादसे में एक आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हुई है। ऐसे में शहरवासियों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि जांच में किसी अधिकारी, कर्मचारी, ठेकेदार या अन्य संबंधित पक्ष की लापरवाही सामने आती है, तो क्या उनके खिलाफ निष्पक्ष और ठोस कार्रवाई होगी? अब पूरे मामले की सच्चाई नगर निगम की जांच रिपोर्ट से सामने आने की उम्मीद है, जिसका इंतजार प्रशासन के साथ-साथ आम जनता भी कर रही है।

उज्जैन में हर माह पकड़े जा रहे नशा बेचने वाले.. पुलिस कर रही कार्रवाई

3 सालों में 200 पर कार्रवाई, अधिकांश राजस्थान के

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शहर में ड्रग्स का कारोबार तेजी से फलफुल रहा है। इसका प्रमाण है। पिछले तीन साल के पुलिस के आंकडे। पुलिस ने तीन सालों में 200 से अधिक तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह सिलसिला हर साल बढ़ता जा रहा है।ड्रग्स का कारोबार शहर में किस तरह प्रथम 5 माह में पुलिस ने शहर में ड्रग्स के साथ 70 लोगों को पकड़ा है।

जिसमें कुछ ऐसे है जो खुद नशे के लिए ड्रग्स लाते है तो बाकी के पैडलर है। पिछले कुछ सालो से शहर के लगभग हर थाना क्षेत्र में ड्रग्स का कारोबार चल रहा है। शहर में ऐसा कोई नशा नहीं है जो नहीं आ रहा है। एमडी ड्रग्स, ब्राउन शुगर, चरस, अफीम, कोकीन, गांजा और सभी प्रकार की सिंथेटिक ड्रग्स शहर में इस साल पकड़ी जा चुकी है। सब से अधिक कार्रवाई क्राइम जाँच ने की है। इसमें अधिकांश राजस्थान के है। पुलिस जहाँ नशे पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। वहीं तस्करों पर कार्रवाई भी कर रही है। पुलिस आधा दर्जन तस्करो की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की चुकी है जो आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ पिट एनडीपीएस की कार्रवाई कर चुकी है। अलावा क्राइम ब्रांच अब तस्करों के डोजियर भी भरवा रही है जो एक से अधिक बार पकड़े जा चुके है और जमानत पर छुट चुके है लेकिन इसके बावजूद शहर में बड़ी मात्रा में नशा आ रहा है। इस साल उज्जैन में पुलिस ने अब तक करीब 80 लोगों को ड्रग्स के साथ पकड़ा है।

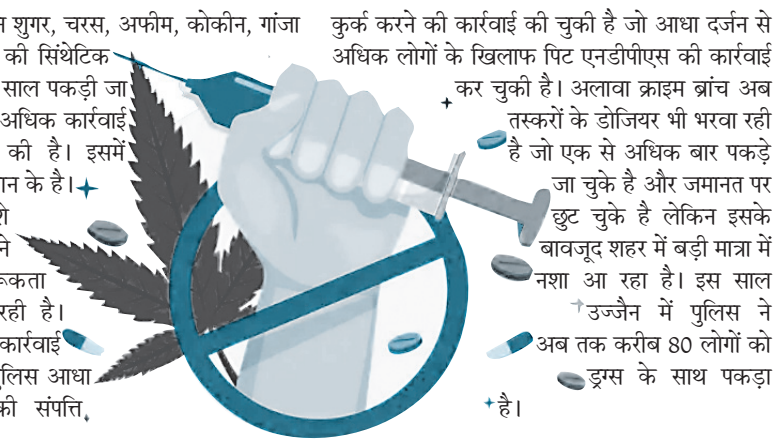

200 कार्यकर्ताओं को मिलेगा प्रशिक्षण

भाजपा नगर के बूथ कार्यकर्ताओं का होगा डिजिटल प्रशिक्षण

सफल प्रतिभागियों को मिलेगा डिजिटल प्रमाण-पत्र

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी बूथ समितियों एवं प्राथमिक सदस्यों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करेगी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती स्मरण कार्यक्रम के तहत यह प्रशिक्षण डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से संचालित किया जाएगा। प्रत्येक बूथ पर लगभग 200 कार्यकताओं को इस अभियान से जोड़कर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस संबंध में भाजपा कार्यालय पर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले एवं हरप्रीत सिंह बक्षी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि प्रशिक्षण पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होगा। कार्यकर्ता अपने मोबाइल फोन पर सरल एवं संगठन ऐप के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रशिक्षण में शामिल होंगे। यह प्रशिक्षण अभियान 23 जून से 6 जुलाई तक चलेगा।

उन्होंने बताया कि डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर चार विषयों पर विशेषज्ञ वक्ताओं के वीडियो उपलब्ध रहेंगे, जिनके माध्यम से कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन टेस्ट एवं प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की जाएगी।

आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश

भाजपा नगर संगठन द्वारा बूथ स्तर पर इस डिजिटल प्रशिक्षण अभियान को व्यापक रूप से सफल बनाने के लिए सभी मंडलों एवं बूथ समितियों को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के सफल संचालन के लिए भाजपा नगर की ओर से विशेष टोली का गठन किया गया है। इसमें सुधीर कोल्हे को नगर संयोजक तथा भारत पारख एवं विक्की मित्तल को सदस्य बनाया गया है।

खजराना में खूनी विवाद, साउण्ड की बात को लेकर हुआ झगड़ा

युवक पर चाकू से वार करने वाला गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खजराना थाना क्षेत्र में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। इस वारदात का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, आरोपी आरिफ बरकाती पूरी घटना को अंजाम देता हुआ दिखाई दे रहा है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि आरोपी आरिफ बरकाती के घर के पड़ोस में रहने वाले युवक शहनवाज से पिछले कुछ दिनों से लगातार विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन शहनवाज अपने घर में तेज आवाज में गाने सुन रहा था, जिस पर आरिफ बरकाती ने आपत्ति जताई। इसके बाद दोनों के बीच जमकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरिफ बरकाती ने शहनवाज पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी आरिफ बरकाती युवक शहनवाज पर एक-दो बार चाकू से वार करता हुआ दिखाई दे रहा है। लोगों ने बीच-बचाव करने का भी प्रयास किया, लेकिन आरोपी ने बेखौफ होकर पूरी वारदात को अंजाम दिया।

आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी आरिफ बरकाती के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी आरिफ बरकाती क्षेत्र में एक यूट्यूब चैनल से भी जुड़ा हुआ था, जिसके चलते खजराना थाने के कई पुलिसकर्मियों से उसकी नजदीकी थी। वहीं, पूर्व थाना प्रभारी के साथ उसकी एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फिलहाल, घटना सामने आने के बाद पुलिस आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कर रही है।

बंबई बाजार क्षेत्र में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कलेक्टर शिवम वर्मा के निदेर्शानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। सी क्रम में कंट्रोलर देवेश चतुवेर्दी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र जोशी के नेतृत्व में अवैध मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत बंबई बाजार वृत्त प्रभारी एवं आबकारी उप निरीक्षक मीरा सिंह ने अपनी टीम के साथ गत 24 जून 2026 को रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर तेज बारिश के बीच भोलेनाथ मंदिर के पास, लोहा मंडी मार्केट में पुल पर घेराबंदी कर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान एक जुपिटर स्कूटर की तलाशी लेने पर आरोपी के पैरों के पास सफेद रंग की बोरी में 72 केन, पिट्ठू बैग और स्कूटर की डिक्की में 24-24 केन बियर , कुल 120 केन (500 एमएल प्रत्येक) और कुल लगभग 60 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई।

फर्जी डेथ सर्टिफिकेट से जमीन बेचने का खेल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां रहने वाली बुजुर्ग द्रोपदी बाई ने पुलिस के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई कि राजेंद्र नगर क्षेत्र में उनकी करोड़ों रुपये की जमीन है, लेकिन कुछ रिश्तेदारों ने उन्हें कागजों में मृत घोषित कर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर उनकी जमीन अपने नाम कराने और उसे दूसरे लोगों को बेचने का प्रयास किया। बुजुर्ग महिला को जब इस पूरे फजीर्वाड़े की जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल पुलिस से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने विभिन्न स्तरों पर जांच-पड़ताल की। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने द्रोपदी बाई की शिकायत के आधार पर 13 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

ईवी में नवाचार के लिए इंदौर में जुटे देशभर के दिग्गज

कॉन्क्लेव में देश भर के 200 से अधिक निवेशकों, स्टार्टअप्स और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में शुक्रवार को आयोजित एक भव्य कॉन्क्लेव ने इलेक्ट्रिक व्हीकल, स्वच्छ ऊर्जा और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के क्षेत्र में नए निवेश और विकास की संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। शेरटन ग्रैंड पैलेस में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देशभर से आए निवेशकों, स्टार्टअप संस्थापकों, उद्योग विशेषज्ञों, कॉरपोरेट प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं ने हिस्सा लिया। सभी हितधारकों ने मिलकर भविष्य के लिए एक टिकाऊ और हरित विकास मॉडल तैयार करने की दिशा में गहन विचार-विमर्श किया। ह्युन्स ऑफ ईवी द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित कॉन्क्लेव में 200 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी, निवेशक और उद्योग जगत से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए। इस पूरे आयोजन में इंदौर नगर निगम ने सिटी होस्ट पार्टनर के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भविष्य की चुनौतियों और तकनीकी समाधानों पर चर्चा

कॉन्क्लेव के विभिन्न सत्रों में ईवी इकोसिस्टम, बैटरी एवं ऊर्जा प्रबंधन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स टेक्नोलॉजी, क्लाइमेट टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे अत्याधुनिक विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और वैश्विक निवेशकों ने इन उभरते हुए क्षेत्रों में आने वाली भविष्य की चुनौतियों और निवेश की असीम संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

लवकुश चौराहे पर बन रहे प्रदेश के पहले डबल डेकर ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण में

अगस्त में एक भुजा ट्रैफिक के ट्रायल के लिए खुलेगी, 90 प्रतिशत काम पुरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के लवकुश चौराहे पर बन रहे प्रदेश के पहले डबल डेकर ब्रिज का काम 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। अगस्त माह में इसकी एक भुजा पर ट्रायल के तौर पर ट्रैफिक शुरू किया जाएगा। यह प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज है, जिसकी जमीन से अधिकतम ऊंचाई 70 फीट है।

यह ब्रिज मेट्रो ट्रैक और सुपर कॉरिडोर पर बने ब्रिज को पार करते हुए उज्जैन रोड की ओर उतरेगा। ब्रिज के मध्य हिस्से में दोनों ओर स्पैन रखे जा चुके हैं। इसके लिए विशेष तौर पर क्रेन और अन्य आधुनिक उपकरणों का सहारा लिया गया।

इस ब्रिज के नीचे से मेट्रो ट्रैक और सुपर कॉरिडोर की ओर जाने वाला ब्रिज गुजरता है। अगले माह उज्जैन से इंदौर की ओर आने वाली भुजा को ट्रैफिक ट्रायल के लिए कुछ दिनों के लिए खोला जा सकता है। इसके बाद ब्रिज का लोड टेस्ट किया जाएगा। डबल डेकर ब्रिज के बनने से हर दिन करीब एक लाख लोगों की राह आसान होगी। सिंहस्थ के समय भी यह ब्रिज ट्रैफिक व्यवस्था में मददगार साबित होगा।

इंदौर-उज्जैन रोड पर यह दूसरा ब्रिज है। पिछले सिंहस्थ से पहले बाणगंगा में चार लेन का ब्रिज बनाया गया था। इस ब्रिज की लंबाई जहां समाप्त होगी, वहीं से इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन सड़क निर्माण का काम शुरू होगा। इस ब्रिज की अधिकतम ऊंचाई जमीन से 70 फीट है। अपनी ऊंचाई के कारण इसकी लंबाई भी शहर के अन्य ब्रिजों से अधिक है। यह ब्रिज करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा है और इसके निर्माण पर 300 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

मेट्रो के 17 किमी हिस्से के संचालन और ब्रिज का लोकार्पण एक साथ हो सकता

ब्रिज की एक भुजा तैयार हो चुकी है, जबकि दूसरी भुजा पर डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है। ब्रिज के नीचे सर्विस रोड का निर्माण भी जारी है। इसके अलावा ब्रिज के विद्युतीकरण और सौंदर्यीकरण का काम भी चल रहा है। जल्द ही यह कार्य पूरा हो जाएगा। ब्रिज का निर्माण 20 जुलाई तक पूरा होने की संभावना है। इसका निर्माण इंदौर विकास प्राधिकरण ने कराया है। प्राधिकरण इस ब्रिज का लोकार्पण करेगा। हालांकि, इसकी तिथि अभी तय नहीं हुई है। मेट्रो के 17 किलोमीटर हिस्से के संचालन और डबल डेकर ब्रिज के लोकार्पण की शुरूआत एक साथ हो सकती है।

यात्रियों को बेहतर सुविधा

यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए इस ब्रिज को ध्यान में रखकर निर्माण किया जा रहा है। बारिश का पानी ब्रिज पर न रूके इसके लिए दोनों तरफ की ढलानों के कुछ हिस्सों में डामर से मैस्टिक की जाएगी ताकी बारिश का पानी ब्रिज को खराब न करें और एकत्रित भी ना हो। इस ब्रिज के बनने से इंदौर का भंवरकुआं, खजराना, फूटीकोठी के बाद लवकुश चौराहा भी सिग्नल फ्री हो जाएगा, यानी शहर में यातायात सुगम रहेगा गाड़ियों की लंबी कतार से मुक्ति मिलेगी।

ज्ञानी होने के गुण

समता एक ज्ञानी का सच्चा लक्षण है। समता शब्द ही भेद के अस्तित्व को सूचित करता है। सब भेदों में ज्ञानी एकता देखता है, जिसे मैं समता कहता हूं। समता का अर्थ भेदों का अज्ञान नहीं है। जब आपको ज्ञान होता है, तब आप देखते हैं कि ये भेद केवल बाहरी दिखावा हैं; वे नित्य नहीं हैं। इन सब बाह्य भेदों में जो अभिन्न तत्व है, वह सत्य है, जिसे मैं एकत्व कहता हूं। यह सही है कि ज्ञानी ध्वनि, स्वाद, रूप, गंध इत्यादि भेदों का अनुभव करता है, लेकिन उन सब में वह हमेशा उस एक को देखता व अनुभव करता है। इसी कारण उसे कुछ पसंद या नापसंद नहीं होता। वह घूमता है, बात करता है और कर्म करता है, तो यह सब उसी एक सत्य में स्थित रहकर करता है। उसकी दृष्टि में उस एक परम सत्य से अलग कुछ भी नहीं है। पतंजलि के योगसूत्र में कहा गया है, मैत्री, करुणा, मुदिता, क्षमा जैसे भाव ज्ञानी के स्वभाव बन जाते हैं। भले लोगों के प्रति स्नेह, दुखी और असहाय लोगों के प्रति करुणा, अच्छे काम करने में सुख का अनुभव, दुष्टों के प्रति क्षमा-भाव, ये सब ज्ञानी व्यक्ति के स्वाभाविक लक्षण हैं। वे किसी भी अवस्था या हालात में समान रहते हैं, क्योंकि वे सत्य को जानते हैं। वे अपनी सारी क्रियाओं में केवल दूसरों के लिए उद्युक्त (तत्पर) होते हैं। कोई काम वे अपने लिए नहीं करते। मैंने आपसे कई बार कहा है कि जैसे कुछ लोग शुल्क लेकर दूसरों के लिए शोक प्रदर्शनार्थ रोते हैं, यही उनका व्यवसाय है, उसी तरह ज्ञानी संसारासक्त जीवों के लिए काम करते हैं, किंतु स्वयं अनासक्त और अप्रभावित रहते हैं।

ज्ञानी लोग गाने वालों के साथ ताल मिलाते हैं, रोने वालों के साथ रोते हैं, हंसने वालों के साथ हंसते हैं, खेलने वालों के साथ खेलते हैं। उनका क्या नुकसान है? उनकी स्थिति शुद्ध दर्पण जैसी होती है। जैसे दर्पण बिंब को ठीक वह जैसा होता है, वैसा ही प्रतिबिंबित करता है। वह लिप्त नहीं होता, वैसे ही ज्ञानी कर्मों से लिप्त नहीं होते हैं। दूसरी ओर जो लोग जगत में कार्यरत हैं तथा सभी प्रकार के कर्म करते रहते हैं, उन अज्ञानियों को यह अवश्य निश्चित करना पड़ता है कि कौन सा गाना गाया जाए, कौन से कर्म शास्त्रसम्मत, व्यवहार्य और जगत के हित में है। ज्ञानी की अवस्था केवल ज्ञानी ही जान सकता है। ज्ञानी को समझने के लिए स्वयं हमें ज्ञानी बनना चाहिए। ज्ञानी महात्मा के चारों ओर वातावरण में शांति का अनुभव होता है। वही एक साधन है, जिससे कोई साधक किसी महात्मा की महानता को जान सकता है। उसकी वाणी, कार्य तथा बाह्य रूप उसकी महानता के चिह्न नहीं हैं, क्योंकि वह साधारण लोगों की समझ से परे है।

सम्पादकीय

रिश्तों का खून

पुणे के युवा उद्यमी केतन अग्रवाल के साथ बेवफाई और कत्ल का जो जघन्य मामला सामने आया है, उसने सबको झकझोर कर रख दिया है। उनकी उम्र महज 25 वर्ष थी और वह बीते महीनों से अपनी शादी की तैयारी में लगे थे, उनकी 20 वर्षीया मंगेतर भी तैयारियों का दिखावा कर रही थी। इस होने वाली दुल्हन ने बनते रिश्ते का ही नहीं, बल्कि होने वाले दूल्हे की जिंदगी का भी अंत कर दिया। किसी अवांछित या अप्रिय रिश्ते से बचने के दूसरे भी उपाय हो सकते हैं, पर सीधे हत्या कर देना सांविधानिक, सामाजिक और धार्मिक रूप से सरासर गलत है। यहां प्रेम विवाह नहीं, एक पारंपरिक विवाह की तैयारी थी, जहां सर्वाधिक दोष लड़की के अभिभावकों का है, जिन्होंने अपनी बेटी पर यह रिश्ता लादा। अभिभावक यदि सजग रहते, तो यह नौबत नहीं आती। बच्चे बुरी संगत में बिगड़ रहे हैं या अच्छी संगत में आगे बढ़ रहे हैं, क्या यह अभिभावकों की चिंता का विषय नहीं होना चाहिए? अपने बच्चों को पूरी आजादी दे रहे अभिभावकों को अपना थोड़ा-सा कीमती वक्त उन्हें जानने-समझने के लिए जरूर खर्च करना चाहिए।

ऐसे अपराधों के प्रति लोक ही नहीं, तंत्र को भी सजग होना पड़ेगा। बीते वर्ष के ही दो चर्चित मामले हैं। मेरठ के मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ राजपूत को उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी ने बेरहमी से काटकर नीले ड्रम में चुनवा दिया, तो इंदौर के राजा रघुवंशी को उसकी नई-नवेली पत्नी मारने के लिए मेघालय ले गई। हमें गौर करना चाहिए कि क्या इन दो मामलों में न्याय का चक्र पूरा हो चुका है? क्या लोगों तक न्याय का संदेश स्पष्टता के साथ पहुंच चुका है? कहीं न कहीं, कानून ऐसे जघन्य अपराधों का मुंहतोड़ जवाब देने में चूक जा रहा है। जिस समाज में इंसाफ की आवाज पुरजोर सुनाई पड़ती है, उसी समाज में अपराधों पर अंकुश रहता है। अब सवाल खड़ा होता है कि पुणे के युवा उद्यमी केतन अग्रवाल को कब तक न्याय मिलेगा? कानून-व्यवस्था कब मिसाल पेश करेगी? हमें यह समझना होगा कि ऐसे अपराध होने से पूर्व कुछ संकेत अवश्य मिलते हैं, इन मामलों में भी कई संकेत स्पष्ट थे, पर परिवारों व समाजों में दिल की दूरियां बढ़ रही हैं और दिखावा तेजी से बढ़ रहा है। पुणे के इस मामले में भी सभी दिखावे में लगे थे। सगाई का जश्न था, फोटो शूट की वैश्विक योजनाएं थीं, फेरों की आलीशान तैयारियां थीं, लेकिन अंदर से सब कुछ खोखला साबित हुआ।

आरएसएस की फंडिंग और संपत्तियों को

सार्वजनिक करने की मांग सिर्फ राजनीति या गंभीर मुद्दा?

सौरभ वार्ष्णेया
(दैनिक अवन्तिका)

भारत में सार्वजनिक जीवन से जुड़े संगठनों की पारदर्शिता का प्रश्न समय-समय पर उठता रहा है। हाल ही में कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंका खरगे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की फंडिंग, आय-व्यय, संपत्तियों और कर अनुपालन की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग ने एक नई बहस को जन्म दिया है। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा है या वास्तव में लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता से जुड़ा गंभीर मुद्दा? लोकतंत्र में पारदर्शिता किसी भी संस्था की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार होती है। राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने वित्तीय स्रोतों और व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा रखें। यदि कोई संगठन समाज और सार्वजनिक नीति पर व्यापक प्रभाव रखता है, तो उसके वित्तीय संचालन को लेकर प्रश्न उठना स्वाभाविक माना जा सकता है।

दूसरी ओर, आरएसएस स्वयं को एक सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन बताता है, न कि राजनीतिक दल। संघ का कहना रहा है कि उसकी गतिविधियां स्वयंसेवकों के सहयोग और समाज से प्राप्त योगदान के आधार पर संचालित होती हैं तथा वह कानून के अनुसार आवश्यक अनुपालनों का पालन करता है। संघ के समर्थकों का तर्क है कि केवल आरएसएस को निशाना बनाना राजनीतिक प्रेरणा से प्रेरित प्रतीत होता है, जबकि देश में हजारों अन्य सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठन भी सक्रिय हैं। यहीं से यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले लेता है। चूंकि आरएसएस को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक प्रेरणा का स्रोत माना जाता है, इसलिए उसके वित्तीय मामलों पर उठने वाले सवाल अक्सर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। विपक्ष इसे जवाबदेही का प्रश्न बताता है, जबकि समर्थक इसे वैचारिक विरोध का परिणाम मानते हैं। वास्तविकता यह है कि पारदर्शिता की मांग को केवल राजनीति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यदि किसी संगठन की गतिविधियां व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रभाव रखती हैं, तो उसके वित्तीय ढांचे के बारे में जानकारी सार्वजनिक होने से जनता का विश्वास बढ़ सकता है। लेकिन यह सिद्धांत केवल आरएसएस पर ही नहीं, बल्कि सभी बड़े सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक और राजनीतिक संगठनों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। भारत में समस्या यह है कि पारदर्शिता की मांग अक्सर चयनात्मक दिखाई देती है। जब सवाल केवल विरोधी विचारधारा वाले संगठनों पर उठाए जाते हैं और अपने निकट संगठनों पर नहीं, तब मांग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। इसलिए आवश्यक है कि वित्तीय पारदर्शिता के लिए एक समान और सार्वभौमिक मानक विकसित किया जाए, जो सभी संस्थाओं पर समान रूप से लागू हो।

आरएसएस की फंडिंग और संपत्तियों को सार्वजनिक करने की मांग में राजनीति का तत्व अवश्य मौजूद है, क्योंकि यह एक राजनीतिक संदर्भ में उठाई गई है। किंतु इसके मूल में छिपा पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रश्न लोकतंत्र के लिए गंभीर और महत्वपूर्ण विषय है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की विश्वसनीयता उसके कार्यों के साथ-साथ उसकी पारदर्शिता से भी तय होती है। इसलिए बहस का केंद्र किसी एक संगठन को घेरना नहीं, बल्कि सभी प्रभावशाली संस्थाओं के लिए समान जवाबदेही सुनिश्चित करना होना चाहिए। यही लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन की वास्तविक कसौटी है।

लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही किसी भी बड़े संगठन की विश्वसनीयता को मजबूत करती है। जब राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों , ट्रस्टों और कंपनियों से वित्तीय विवरण सार्वजनिक करने की अपेक्षा की जाती है, तब स्वाभाविक रूप से इतने बड़े प्रभाव वाले संगठन के संबंध में भी यही मांग उठती है। समर्थकों का तर्क है कि यदि संघ अपनी आय के स्रोत, दानदाताओं की श्रेणियां, संपत्तियों का विवरण और कर संबंधी अनुपालन की जानकारी सार्वजनिक करता है, तो इससे उसके प्रति जनता का विश्वास और अधिक बढ़ेगा। दूसरी ओर, संघ का पक्ष यह रहा है कि वह स्वयं को एक स्वैच्छिक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन मानता है और कानून के तहत जिन सूचनाओं को उपलब्ध कराना आवश्यक है, उनका पालन करता है। संघ से जुड़े विभिन्न ट्रस्ट, सेवा संस्थान और शैक्षणिक संगठन अलग-अलग कानूनी ढांचे के अंतर्गत कार्य करते हैं तथा आवश्यक वित्तीय विवरण संबंधित सरकारी एजेंसियों को उपलब्ध कराते हैं।

विवाद का मूल प्रश्न केवल आरएसएस तक सीमित नहीं है। यह व्यापक रूप से उन सभी बड़े सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठनों पर लागू होता है जिनका सार्वजनिक जीवन पर प्रभाव पड़ता है। लोकतंत्र में पारदर्शिता का सिद्धांत कहता है कि जनहित से जुड़े बड़े संस्थानों को अपनी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्था के बारे में अधिक खुलापन दिखाना चाहिए। वहीं संगठनात्मक स्वतंत्रता का सिद्धांत यह भी कहता है कि किसी संस्था पर कानून से परे अतिरिक्त दबाव नहीं डाला जाना चाहिए।

ऐसे में संतुलित दृष्टिकोण यही होगा कि सरकार सभी बड़े सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठनों के लिए समान पारदर्शिता मानक विकसित करे। यदि किसी संगठन को कर छूट, सार्वजनिक दान या व्यापक सामाजिक प्रभाव का लाभ प्राप्त है, तो उसके वित्तीय और प्रशासनिक विवरणों का एक न्यूनतम स्तर तक सार्वजनिक होना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप माना जा सकता है। यह बहस किसी एक संगठन के पक्ष या विपक्ष की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत विश्वास को मजबूत करने की है। जितनी अधिक पारदर्शिता होगी, उतना ही सार्वजनिक विश्वास बढ़ेगा और लोकतंत्र की जड़ें भी उतनी ही मजबूत होंगी।

वाह री किस्मत!

चाय की प्याली से उठते उस बेरहम धुएं में जिंदगी बिलकुल वैसे ही उलझी हुई दिखती थी, जैसे दराज के किसी कोने में पड़ी पुरानी इयरफोन की केबल, जिसे सुलझाने की कोशिश करो, तो गांठें और कस जाती हैं। मेज के उस पार वो बैठी थी, अपनी चमचमाती स्क्रीन के पीछे एक सुरक्षित दूरी बनाए हुए, और इस पार मैं था, अपने ढहते हुए वजूद के मलबे पर मुफ़्त की उस सलाह की तरह बिखरा हुआ जिसकी किसी को जरूरत नहीं होती। हम दोनों के बीच एक ऐसा भयानक सन्नाटा पसरा था, जो सिर्फ उस घर में होता है जहाँ वेंटिलेटर पर पड़े आखिरी बुजुर्ग की सांसें गिनते हुए लोग वसीयत के पन्नों पर दस्तखत होने का इंतजार कर रहे हों।

वह मुझसे बात कर रही थी, या शायद अपनी स्क्रीन पर रेंडर हो रहे किसी और अक्स को अपनी हंसी दान कर रही थी। उसकी उंगलियां की-बोर्ड पर इस बेरहमी और तेजी से नाच रही थीं जैसे कोई तजुर्बेकार कसाई बकरे की खाल उतार रहा हो या कोई बेहद सगा संबंधी आपकी सबसे दुखती रग को कुरेद रहा हो। अचानक मेरी आंखों में डिजिटल टॉर्च जैसी रोशनी मारते हुए उसने कहा, ₹तुम बदल गए हो।₹ मुझे एक तीखी हंसी आ गई। जब खुद आईने के सामने खड़े होकर अपनी ही शक्ल ढूंढने के लिए आधार कार्ड की तस्वीरों का सहारा लेना पड़े, तो सामने वाले का यह इल्जाम किसी मीठे जहर की तरह हसीन लगता है। हम सब चलते फिरते आईना हैं। वह मुझे देख रही थी, मैं उसमें अपना खोया हुआ जमीर ढूंढ रहा था और वह खुद को किसी तीसरे अनजान शख्स के लाइक्स और हार्ट वाले कमेंट्स के चश्मे से री-इमेजिन कर रही थी। क्या खबर कौन कहाँ किस की तरफ देखता है! पूरी कायनात ही जैसे किसी सस्ते सीसीटीवी कैमरे की फुटेज हो गई थी जिसमें कोई किसी का सगा नहीं था। उसने नजरें उठाईं। उसकी आंखों में एक अजीब सा रहस्य था, ठंडा, गहरा और उतना ही खोखला, जैसे उस लावारिस सूटकेस का खालीपन जो रेलवे स्टेशन पर पड़ा रह जाता है।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 28 जून 2026 रविवार
सूर्योदय - 05:47 सूर्यास्त 19:12
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि - चतुर्दशी 03:07 उपरांत पूर्णिमा
नक्षत्र - ज्येष्ठा 25:09 उपरांत मूल
योग - शुभ 13:30 शुक्ल
करण - गर
चन्द्रमा - वृश्चिक में है। 25:09 पर धनु में प्रवेश करेगा।

मेष- भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी।

वृषभ- कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें।

मिथुन- संतान की गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आज आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे।

कर्क- शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी।

सिंह- शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा।

कन्या- नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी।

तुला- किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा।

वृश्चिक- व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे।बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें।

धनु- धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें।

मकर- लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे।

कुंभ- पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। यात्रा आज न करें।

मीन- प्रोफेशनल लाइफ में सभी कार्यों को क्रिएटिविटी और नए इनोवेटिव आइडियाज के साथ कंपलीट करें।

समसामयिक

भारतीय इतिहासःसत्य, आत्मसम्मान और आत्ममंथन की त्रिवेणी बने

डा मनमोहन प्रकाश
(दैनिक अवन्तिका)

मानव समाज की समय के साथ विकसित होती यात्रा का क्रमबद्ध एवं विवेचनात्मक विवरण इतिहास कहलाता है। इतिहास हमें अपने अतीत की सभ्यता, संस्कृति, सामाजिक संरचनाओं और राजनीतिक परिवर्तनों को समझने का अवसर प्रदान करता है। किन्तु इतिहास का यह उद्देश्य तभी सार्थक हो सकता है जब उसका लेखन और विश्लेषण तथ्यपरकता, निष्पक्षता और बौद्धिक ईमानदारी के साथ किया गया हो।?इतिहास केवल घटनाओं और तिथियों का संग्रह नहीं होता; वह किसी राष्ट्र की सामूहिक स्मृति, आत्मबोध और भविष्य-दृष्टि का आधार भी होता है। भारतीय इतिहास के संदर्भ में लंबे समय से एक विमर्श चलता रहा है कि विदेशी अथवा औपनिवेशिक शासन के दौर को केवल पराधीनता काल कहा जाए अथवा उसे सतत संघर्ष काल के रूप में भी समझा जाए। यह प्रश्न केवल शब्दों के चयन का नहीं, बल्कि इतिहास-दृष्टि, राष्ट्रीय चेतना और सामूहिक आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी यह विचार व्यक्त किया है कि भारत का इतिहास केवल गुलामी का नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष का इतिहास है। यह दृष्टिकोण भारतीयों की प्रतिरोधात्मक और पुनरुत्थान की प्रक्रियाओं को भी रेखांकित करता है।

यह निर्विवाद है कि लगभग 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर 1947 तक भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग समय में बाह्य मूल के शासकों तथा अंततः ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का प्रभाव रहा। इस दौरान शासन, कर व्यवस्था, न्याय व्यवस्था तथा संसाधनों पर स्थानीय समाज का पूर्ण नियंत्रण सीमित हो गया था। संभवतः इसी ऐतिहासिक यथार्थ के आधार पर इस कालखंड को पराधीनता कहा गया। किन्तु क्या इतने व्यापक और बहुआयामी कालखंड को केवल पराधीनता की संज्ञा देकर समझा जा सकता है? यदि भारतीय इतिहास का समग्र अध्ययन किया जाए, तो स्पष्ट दिखाई देता है कि राजनीतिक नियंत्रण के अनेक चरणों के समानांतर समाज में प्रतिरोध, सांस्कृतिक संरक्षण, पुनर्निर्माण और स्वाधीनता की चेतना निरंतर सक्रिय रही। भारत के इतिहास में ऐसा कोई कालखंड नहीं दिखाई देता जब संपूर्ण समाज ने निष्क्रिय होकर परिस्थितियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया हो। मध्यकालीन भारत इसका सबसे प्रखर उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस युग में जब दिल्ली सल्तनत और मुगल साम्राज्य अपने चरम पर थे, तब भी राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रतिरोध कभी थमा नहीं। राजपूताना में मेवाड़ के शौर्य-प्रतीक महाराणा प्रताप का संघर्ष इसका अप्रतिम उदाहरण है। अकबर की विशाल सेना और अकूत संसाधनों के सामने घुटने टेकने के बजाय, महाराणा प्रताप ने जंगलों में रहकर, सीमित साधनों के बावजूद मातृभूमि की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के लिए जो अनवरत युद्ध लड़ा, उसने आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रतिरोध का एक अमर आदर्श स्थापित किया। उनका संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि भारत की आत्मा ने कभी पराधीनता को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।?इसी कालखंड में पूर्वोत्तर भारत में अहोम साम्राज्य ने वीर लाचित बोरफुकन के नेतृत्व में 1671 के सराईघाट युद्ध में मुगल विस्तार को निर्णायक रूप से रोका। दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य ने लंबे समय तक राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति का केंद्र बने रहकर सनातन संस्कृति की रक्षा की। बाद के काल में छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित हिन्दवी स्वराज्य की अवधारणा तथा मराठा शक्ति का विस्तार भारतीय राजनीतिक पुनरुत्थान का स्वर्णिम अध्याय बना। वहीं, गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना ने धार्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रतिरोध को एक नई और ओजस्वी दिशा प्रदान की।

आपको भी लगती है जरूरत से ज्यादा भूख? तो जान लें कारण

आमतौर पर खाना खाने के बाद कुछ घंटों तक भूख नहीं लगती है। लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें भरपेट खाना खाने के बाद कुछ ही देर में फिर से भूख लगने लगती हैं। वहीं, कुछ ऐसे भी लोग हैं जो गुस्सा आने या दुखी होने पर खुद को शांत करने के लिए इमोशनल ईटिंग करने लगते हैं। वैसे तो ज्यादा खाने के कई वजहें हो सकते हैं, लेकिन इसके पीछे के कारणों का पता लगाना काफी जरूरी है। जरूरत से ज्यादा खाना खाने से मोटापा और हृदय संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जब आप अपने शरीर की क्षमता से अधिक खाना खाते हैं तो इससे आपको ब्लोटिंग, हार्टबर्न और पाचन से जुड़ी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तो आइए जानते हैं बहुत ज्यादा भूख लगने के पीछे से कारणों के बारे में विस्तार से- इन कारणों की वजह से हमेशा लगती है आपको भूख

नींद पूरी ना होना- क्या आप जानते हैं कि अगर आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो आपको जरूरत से ज्यादा भूख लगने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि नींद की कमी आपकी भूख को निर्यात्रित करने वाले हार्मोन को प्रभावित करती है। जिन लोगों को नींद की कमी होती है, उन्हें भूख काफी ज्यादा लगती है, और खाने के बाद भी फुल महसूस नहीं हो पाता।

प्रोटीन की कमी- शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर भी आपको हमेशा भूख लगती रहती है। प्रोटीन आपकी भूख को कंट्रोल करने में मदद करता है जिससे आपका कैलोरी इनटेक कम होता है। डाइट में प्रोटीन को शामिल करने से शरीर में कुछ ऐसे हार्मोन्स का प्रोडक्शन बढ़ जाता है जो आपको फुल होने का सिग्नल देते हैं और आपकी भूख को कंट्रोल करते हैं।

डिहाइड्रेशन- बॉडी की सही तरीके से फंक्शनिंग के लिए जरूरी है कि आप ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी का सेवन करें। पानी आपके हार्ट हेल्थ, ब्रेन हेल्थ और डाइजेस्टिव हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। पानी आपको फुल रखने में मदद करता है ऐसे में जब आप पानी का सेवन नहीं करते तो इससे आपको बहुत ज्यादा भूख लगने लगती हैं।

डायबिटीज- डायबिटीज वाले लोगों को नॉर्मल लोगों की तुलना में भूख काफी ज्यादा लगती है । ऐसा इसलिए होता है कि क्योंकि इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण खून से ग्लूकोज कोशिकाओं में प्रवेश नहीं कर पाता। जिसके चलते, आपका शरीर खाने को एनर्जी में परिवर्तित नहीं कर पाता और इससे आपको हर समय भूख का एहसास होता रहता है। डायबिटीज के कुछ लक्षणों में शामिल हैं- ज्यादा प्यास लगना, अचानक वजन कम होना, धुंधला नजर आना, थकान और पैरों और हाथों में झुनझुनी महसूस होना।

प्रेग्नेंसी- जरूरत से ज्यादा भूख लगने के पीछे का एक और कारण प्रेगनेंसी भी है। आपका शरीर ऐसा इसलिए करता है ताकि आपके पेट में पल रहे बच्चे को सभी जरूरी पोषक तत्व मिल सके। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने खानपान का खास ख्याल रखें और उचित अंतराल पर खाना खाएं।

- भूख को कंट्रोल करने के लिए डाइट में करें ये बदलाव
- डाइट में प्रोटीन से भरपूर चीजों जैसे अंडे, योगर्ट आदि को शामिल करें।
- ज्यादा नमक और मीठी चीजों के सेवन से बचें।
- खुद को हाइड्रेटेड रखें। इसके लिए आप अलग-अलग तरह के जूस का सेवन भी कर सकते हैं।
- शराब का सेवन कम से कम करें।

धर्म-आस्था

केवल ऐसे लोग ही जान पाते हैं ब्रह्मांड के सूक्ष्म रहस्य

सम्पूर्ण ब्रह्मांड है क्या? सर्वप्रथम आध्यात्मिक और वैदिक दृष्टि से यह जान लेना आवश्यक है। पृथ्वी के अतिरिक्त जितने भी ग्रह, उपग्रह, खगोलीय पिंड और सामान्य मनुष्य की कल्पना से परे जाकर खोजे गए ब्रह्मांडीय आवरण हैं, वास्तव में ब्रह्मांड उतने में ही समाहित नहीं होता। वैदिक और आध्यात्मिक साधना के बाद भारतीय ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों व साधकों ने माना है कि ब्रह्मांड के वास्तविक केंद्र किसी भी जीव को पंचतत्वों से युक्त उसके जीवित तन के साथ कभी नहीं दिखाई दे सकते। पृथ्वी को छोड़ ब्रह्मांड के सभी वास्तविक केंद्र और स्थान केवल जीवात्मा को दृश्य-श्रव्य होते हैं। ब्रह्मांड के गुप्त दुर्गम अनुभव जीवात्मा को भी तब हो पाते हैं, जब वह भूलोक में अपनी पूरी जीवितावस्था में अध्यात्म वशीभूत हो सांसारिक कल्याण की भाव तरंगों से संबद्ध रही हो।

मृत्यु के बाद मनुष्य अदृश्य ज्योति स्वरूप आत्मांश के रूप में अनंत पथ पर अग्रसर होता है। यह ब्रह्मांड का वही पथ है, जहां तक मनुष्य जीते जी कभी नहीं पहुंच पाता, चाहे कितनी ही वैज्ञानिक प्रगति कर ले। आत्मांश के रूप में ब्रह्मांड के इस पथ पर चलने का अवसर सभी जीवात्माओं को नहीं मिलता। इस पथ पर चलने की योग्यता तब मिलती है, जब हम पृथ्वी पर जीव के रूप में व्यतीत समयावधि में सत्कर्मों और परोपकार से जुड़े रहते हैं। सत्कर्मों, परोपकार, करुणामयी भावनाओं पर हितकारी संवेदनाओं और परार्थ में लगे जीव को मृत्यु के बाद ब्रह्मांड के उन अनंत व गुप्त स्थानों पर विचरण करने और अपने सत्कर्मों की योग्यता के आधार पर उनमें फिर से जन्म लेने का अवसर मिलता है, जो स्थान भूलोकी जीव की कल्पना से भी परे होते हैं। यदि भूलोक में जीवन अध्यात्म आधारित कल्याण भावना के साथ व्यतीत होता हुआ आध्यात्मिकता के शीर्ष स्थान को स्पर्श कर लेता है तो ऐसे जीव की आत्मा ब्रह्मांड के अनंत व गुप्त स्थानों के संचालक परमात्मा के परम स्थान में जगह पाती है। उसे जन्म-मरण के दुष्चक्र से मुक्ति मिलती है और वह स्थिर आत्मानुभव के साथ पारलौकिक आनंद प्राप्त करता रहता है।

इसलिए सभी मनुष्यों को अपना जीवन पर-कल्याण व परोपकार में लगाकर आध्यात्मिक चिंतन-मनन करना चाहिए। इस आध्यात्मिक प्रवृत्ति में रमे रहने से मनुष्य को जीवन लोक का हर उपलब्ध आनंद तो प्राप्त होता ही है, साथ-साथ उसे चिरकाल तक परम सत्ता के आत्मानुभव में रमने का भी अवसर मिलता है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6000 से 6050 विशाल, 5950 से 6000 मसूर 6000,महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7500, महाराष्ट्र लाल 7700 से 7900, कर्नाटक 8100 से 8300 निमाड़ी, डेट तुअर 6500 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी, 7100 से 7300 मूंग बेस्ट बोल्ड, 7500 से 7700 मीडियम बोल्ड, 7200 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8700 से 9000, उड़द गर्मी 8000 से 8400 ग्रेविटी, क्लीन 8600 से 8900 हल्का उड़द, 4000 से 6000 काबुली डॉलर, 7000 से 8400 काबुली रशियन, 5800 बिटकी 5200 से 5300, सरसों निमाड़ी 8000 से 8200, रायडा 6800 से 7000 करंज 5000, से 5200 सोयाबीन 6800 अलसी, 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से, 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800, पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज, 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7450 से 7550, मीडियम 7650 से 7750 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1450-2850, चना देशी-4999-5760, डालर चना- 4400-7990, उड़द- 7621, मूंग- 7576, सोयाबीन- 1215-8900, मैथीदाना-1340, सरसो- 6500, धनिया-10930-13306, बटला- 2860, मसूर-6201, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,45,600 रवा-1,45,500 चांदी- टंच- 2,30,500 पाट-2,30,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

आंधी-बारिश के बीच सूरज पूजा में गिरी छत की गैलरी: देवास में मां-बेटी की मौत

देवास। शहर से लगे खंटाबा गांव में शुक्रवार को मान और सूरजपूजा के कार्यक्रम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। कार्यक्रम के बाद भोजन के दौरान अचानक हवा आंधी बारिश के चलते छत की गैलरी नीचे भोजन कर रही महिलाओं पर गिर गई। घायलों को जिला अस्पताल लाया गया है। जिसमें दो महिलाएं मां और बेटी की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हैं। इसमें एक बालिका भी है। जिसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद एसडीएम, सीएसपी सहित बीएनपी थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची। जानकारी के अनुसार, भोजन के लिए महिलाओं को टेंट और नेट के नीचे पंगत लगाकर बैठाया गया था। उन्हें भोजन परोसा गया और वे भोजन ही कर रही थीं। इस दौरान दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अचानक तेज हवा आंधी और बारिश के चलते घर की गैलरी नीचे भोजन कर रही महिलाओं के उपर गिर गई। मलबे की वजह से महिलाओं को गंभीर चोट आई। गैलरी के साथ ही पूरा नेट और टैंट भी नीचे आ गया। घायलों को निजी वाहनों से जिला अस्पताल लाया गया। जहां मां भागवंताबाई उम्र 55 वर्ष और उनकी बेटी लक्ष्मी उम्र 32 वर्ष को डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसडीएम अभिषेक शर्मा, सीएसपी सुमीत अग्रवाल जिला अस्पताल पहुंचे और परिजनों से बात कर दो घायलों को निजी अस्पताल भिजवाया। एसडीएम शर्मा ने बताया कि हादसे दो महिलाओं की मौत हुई है।

मुख्य प्रशासिका एवं मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती का 61वां पुण्य स्मृति दिवस मनाया

ब्यावरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शहीद कॉलोनी ब्यावरा के तत्वाधान में ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रथम मुख्य प्रशासिका एवं जगदंबा स्वरूपा मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती का 61 वां पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धा और विश्व आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाई-बहन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में राजगढ़ जिले की प्रभारी राजयोगिनी मधु दीदी, सुप्रसिद्ध कथा वाचक आशा शर्मा दीदी, अग्रवाल समाज की महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा अग्रवाल, महिला मंडल के पूर्व अध्यक्ष श्रीमती भगवती अग्रवाल, श्रीमती लाड़ कुंवर केलवा, ब्यावरा सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी दीदी तथा सभी अतिथियों के द्वारा मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। जिला प्रभारी राजयोगिनी मधु दीदी ने मातेश्वरी के दिव्य जीवन, त्याग, तपस्या और आध्यात्मिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म वर्ष 1919 में अमृतसर में हुआ था। बचपन में उनका नाम राधा रखा गया था। मात्र 16 वर्ष की आयु में वे ईश्वरीय ज्ञान से जुड़ गईं और अपने तप, त्याग, प्रेम एवं साधना के बल पर लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन का माध्यम बनीं। मधु दीदी के द्वारा उनको ईश्वरीय सौगात भेट की गई बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

किसान की मौत के बाद बेटे की शिक्षा का पूरा खर्च उठाने का लिया संकल्प

उन्हेल। पिछले वर्ष में बेमौसम बारिश ने महिदपुर तहसील के ग्राम खजुरिया मंसूर निवासी किसान दिनेश पिता जगदीश शर्मा की मेहनत पर पानी फेर दिया था ।खेत में तैयार खड़ी सोयाबीन फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। फसल खराब होने और कर्ज के दबाव से परेशान किसान यह आघात सहन नहीं कर पाए और उन्होंने आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही किसान नेता बालेश्वर आंजना पूर्व जनपद सदस्य ग्राम करनावद पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे, उन्होंने परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मृतक किसान के दो बच्चे हैं उनकी स्थिति देखकर आंजना ने परिवार की सहमति से बड़े पुत्र रोहित शर्मा की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाने का निर्णय लिया । माता माया शर्मा और मामा प्रकाश शर्मा की सहमति के बाद रोहित शर्मा को उज्जैन स्थित श्री उत्तमेश विद्यालय आवासीय गुरुकुल में प्रवेश दिलाया गया ।बालक की शिक्षा सहित समस्त खर्च का वहन बालेश्वर आंजना द्वारा किया जा रहा है ।उनकी यह पहल समाज में मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं साबिरा खांन पिता नाजिरा खांन निवासी 348/14, न्यू शिवाजी नगर, महिदपुर रोड़, तहसील महिदपुर जिला उज्जैन (म.प्र.) 456440 का निवासी होकर आज दिनांक 26/6/2026 से अपना पुराना नाम बदलकर नया नाम साबिर खां पिता नाजिरा खांन (Sabir Kha S/o Najira Khan) रख लिया है। अतः आज के बाद मुझे अपने नये नाम से जाना जावे एवं इसी नाम से व्यवहार किया जावे ।

दैनिक अवन्तिका
अखबार की निम्न स्थानों पर एजेंसी बदलना है
बेरछा, चौमा डाक बंगला, हाटपिपलिया, कालापीपल, खेड़ा खजूरिया, माचलपुर, खिलचीपुर, मड़ावदा, मेघनगर, माकड़ोन, नरसिंहगढ़, बुरहानपुर, पेटलावद, झाबुआ रानापुर, मनावर, सुवासरा, सोयतकलां में एजेंसी देना है।
सम्पर्क करें
दैनिक अवन्तिका कार्यालय
2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन
0734-4041777, मोबा. 9977755777

दिग्विजय सिंह राम मंदिर चंदा घोटाले पर बोले

केवल इस्तीफे से नहीं, दोषियों पर FIR हो सरकार की भूमिका पर भी सवाल किया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के मुद्दे पर ट्रस्ट प्रबंधन को घेरा है। उन्होंने कहा कि मंदिर के दान और निर्माण कार्यों में घोटाले के आरोप बेहद गंभीर हैं। सिंह ने मांग की कि केवल इस्तीफों से बात नहीं बनेगी, बल्कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

दिग्विजय सिंह देवास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए राम मंदिर ट्रस्ट में कथित अनियमितताओं और हाल ही में एक ट्रस्टी के इस्तीफे के मुद्दे पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि आजादी के पहले और बाद के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सरकार के शासनकाल में मंदिर के पैसों में भी घोटाले के आरोप लग रहे हैं। सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान वर्ष 1992 के बाद जो चंदा एकत्र किया गया था, उसका भी आज तक पूरा हिसाब जनता के सामने नहीं आया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद भी उसकी व्यवस्थाएं विश्व हिंदू परिषद के हाथों में हैं। उन्होंने देशभर के अनेक मंदिरों और मठों का उदाहरण दिया, जिनकी व्यवस्थाएं संत-महात्माओं के पास रहती हैं और वहां इस प्रकार के विवाद या घोटाले सामने नहीं आते।

ट्रस्टी के इस्तीफा देने से मामला खत्म नहीं होगा

दिग्विजय सिंह ने जोर देकर कहा कि केवल किसी ट्रस्टी के इस्तीफा देने से मामला खत्म नहीं हो जाता। उन्होंने ट्रस्ट की व्यवस्था की जिम्मेदारी चंपत राय पर डालते हुए कहा कि उन्हें पूरे मामले की जवाबदेही लेनी चाहिए। सिंह ने आरोप लगाया कि कथित अनियमितताएं उनके भरोसेमंद लोगों द्वारा ही की गई हैं और दोषियों के खिलाफ विस्तृत जांच कर एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

भक्तों को बरसते पानी में बैठकर ग्रहण करना पड़ी भोजन प्रसादी

देवास। मां चामुंडा प्रकट उत्सव के समापन के अवसर पर नाथ संप्रदाय द्वारा जन सहयोग से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें बड़ी संख्या में माता बहने एवं नागरिक भाग लेकर भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं कई वर्षों से यह सिलसिला चल रहा है और इस दौरान अक्सर बारिश हो जाती है। आयोजित भंडारे के दौरान भी बारिश हुई जिससे कि भोजन प्रसादी स्थल पूरी तरह से गीला हो गया वहीं आयोजन कताओं को पॉलिथीन लगाकर शेड बनाकर भोजन प्रसादी भक्तों को ग्रहण कराना पड़ी इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को गिले में बैठकर ही भोजन प्रसादी ग्रहण करना पड़ी। इस संदर्भ में कांग्रेस नेता सुधीर शर्मा ने चामुंडा देव प्रबंध संस्थान से मांग की है कि वह छोटी माताजी के सामने साइड की तरफ एक बड़ा शेड का निर्माण कर दे जिससे की बारिश में दर्शनार्थी भी गीले होने से बच जाएंगे वहीं इस तरह के आयोजन भी सफलतापूर्वक हो जाएंगे साथ ही जो शेड क्षतिग्रस्त हो गए हैं उन्हें भी सुधरवा दे ।

आगर मालवा में मुहर्रम पर निकला ताजियों का जुलूस

जगह-जगह लगीं सबीलें, शरबत और खीर बांटी, मुस्तैद रहा पुलिस प्रशासन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

आगर मालवा में मुहर्रम पर्व पर गुरुवार रात ताजियों का जुलूस पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ निकाला गया। 'या हुसैन' की सदाओं के बीच अकीदतमंदों ने मातमी रस्में अदा कीं। पूरे आयोजन के दौरान शहर में अनुशासन और आपसी भाईचारे का अनूठा माहौल देखने को मिला। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरे समय मुस्तैद रहा, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

देर रात सरकारवाड़ा में रुके ताजिए, सुबह फिर शुरू हुआ जुलूस शहर के विभिन्न मोहल्लों से निकले सभी आकर्षक ताजिए देर रात सरकारवाड़ा पहुंचे, जहां तय परंपरा के अनुसार उन्हें मुकाम दिया गया। इसके बाद शुक्रवार सुबह सरकारवाड़ा से ताजियों का जुलूस दोबारा रवाना हुआ। सभी ताजिए अपने-अपने निर्धारित मुकामों पर पहुंचे, जहां मोहर्रम की अंतिम रस्में पूरी की गईं।

कांग्रेस ने किया वरिष्ठजनों का सम्मान

मुहर्रम के मौके पर मुल्तानी मोहल्ला में अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समाज के गणमान्य नागरिकों और अतिथियों का साफा बांधकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मौजूद विजयलक्ष्मी तंवर ने मुहर्रम को त्याग, बलिदान, इंसानियत और सामाजिक सौहार्द का संदेश देने वाला पर्व बताते हुए सभी से आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

सबीलों पर बांटी आइसक्रीम व खीर

जुलूस मार्ग पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा जगह-जगह सबीलें लगाई गई थीं। इन सबीलों के माध्यम से राहगीरों और जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा शरबत, दूध, खीर और आइसक्रीम सहित अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।

टवेरा वाहन अनियंत्रित होकर पलटा, 3 महिलाएं घायल

उज्जैन-गरोठ फोरलेन पर हादसा

बडौद। आगर मालवा जिले में उज्जैन-गरोठ फोरलेन पर बडौद के पास दोपहर एक टवेरा वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में वाहन में सवार सोलापुर निवासी तीन महिलाएं घायल हो गईं, जबकि अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टवेरा वाहन उज्जैन की ओर जा रहा था और तेज गति में था। इसी दौरान चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वाहन सड़क किनारे पलट गया। सूचना मिलने पर एनएचएआई की एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बडौद ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। डॉक्टरों के अनुसार तीनों की हालत स्थिर है। घायल महिलाओं की पहचान बबीता पति रमेश राठौर (45), रेणुका पति कालू पंवार (35) और नीलम पति बना राठौड़ (37) के रूप में हुई है, जो सोलापुर (महाराष्ट्र) की निवासी हैं। बडौद पुलिस ने अस्पताल से प्राप्त जानकारी के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है।

पुलिस की सटोरियों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

कोतवाली पुलिस ने सट्टा कार्यवाही कर 1,52,730 का माल किया जप्त

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में जुआ और सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत थाना कोतवाली पुलिस टीम ने सट्टा खेलने एवं खिलाने वालों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की है। कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि राजगढ़ कस्बे में कुछ व्यक्ति अलग अलग जगह पर सट्टा डायरी पर अंक लिखकर रुपये-पैसों से हार-जीत का दांव लगाकर सट्टा खेल रहे हैं। तत्काल थाना प्रभारी द्वारा पुलिस टीम गठित कर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर दबिशें दी गईं। दबिश के दौरान आरोपी हरीश पिता गुड्डा प्रजापति 30 वर्ष निवासी पुरा मोहल्ला राजगढ़, इरशाद उर्फ मिच्चू पिता यूसुफ मेवाती 32 वर्ष, निवासी कालाखेत राजगढ़,ओमप्रकाश उर्फ पिंटू पिता छोटूलाल वर्मा 30 वर्ष निवासी बिरजीपुरा राजगढ़, संतोष उर्फ पंडित पिता मांगीलाल वर्मा 48 वर्ष निवासी तिलक नगर राजगढ़ के विरुद्ध कार्यवाही की गई। आरोपियों के कब्जे से सट्टा अंक लिखी डायरी, लीड पेन, नगद 1,52,730 रु का माल जप्त किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपियों एवं जांच के अन्य आरोपियों के विरुद्ध सट्टा अधिनियम की धारा एवं भारतीय न्याय संहिता की धारा 49 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

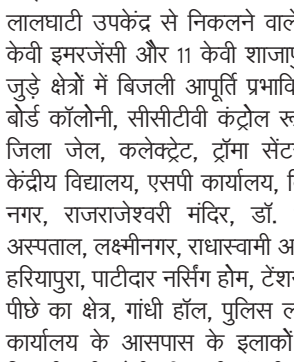

विष्णु मालवीय बने कांग्रेस अजजा विभाग जिला उपाध्यक्ष

सारंगपुर। कांग्रेस पार्टी ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह की अनुशंसा एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियव्रत सिंह, अनुसूचित जनजाति जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवनारायण की सहमति से वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु मालवीय को अनुसूचित जनजाति कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि विष्णु मालवीय की सक्रियता और अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा। इस नियुक्ति से जिले में अनुसूचित जनजाति वर्ग के बीच कांग्रेस का जनाधार और अधिक मजबूत होगा तथा संगठन को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा मिलेगी। नव-नियुक्त उपाध्यक्ष को उनके समर्थकों, इष्ट मित्रों और पार्टी पदाधिकारियों ने बधाइयां दी।

डकैती के मामले में इनामी आरोपी गिरफ्तार

2.46 लाख का माल एवं अवैध हथियार बरामद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा

राजगढ़ जिले में गंभीर अपराधों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक राजगढ़ के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ब्यावरा प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में थाना मलावर पुलिस को डकैती के एक गंभीर प्रकरण में सफलता मिली है।

थाना प्रभारी मलावर उप निरीक्षक रजनेश सिरोठिया के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचना तंत्र, साइबर विश्लेषण एवं मुखबिर सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इनामी आरोपी संतोष पिता रमेश माली 30 वर्ष निवासी ग्राम लखनवास थाना मलावर को गिरफ्तार किया। फरियादी भारत सिंह पिता मदनलाल लोधा 46 वर्ष निवासी ग्राम तरैना थाना मलावर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात्रि में अज्ञात बदमाश घर के पीछे बल्ली लगाकर मकान में घुस आए तथा कट्टे एवं चाकू की नोक पर परिवार के सदस्यों को आतंकित कर सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी लूटकर फरार हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना मलावर में अपराध बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस टीम गठित कर तकनीकी साक्ष्यों, साइबर विश्लेषण, स्थानीय सूचना तंत्र एवं मुखबिर सूचना के आधार पर लगातार पतारसी की गई।

जांच के दौरान आरोपी संतोष माली को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई, जिसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर डकैती की घटना करना स्वीकार किया।आरोपी के कब्जे से उसके हिस्से में आए 2 लाख 1 हजार नगद, एक देशी 315 बोर कट्टा, 10 जिंदा कारतूस, एक खाली कारतूस का खोखा तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की गई। कुल 2,46,000 मूल्य का माल बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। प्रकरण में फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

बिना लाइसेंस धड़ल्ले से बिक रही कीटनाशक दवाइयां

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों कृषि विभाग के नियमों की धज्जियां उडाते हुए बिना लाइसेंस के कीटनाशक दुकानों का संचालन धडल्ले से किया जा रहा है। चोरी-छिपे घरों और अवैध दुकानों से बेची जा रही इन दवाइयों को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है और किसानों में भारी आक्रोश है। स्थानीय किसानों का आरोप है कि चंद रुपयों के मुनाफे के चक्कर में कुछ अवैध कारोबारी बिना किसी वैध दस्तावेज के घटिया और अमानक कीटनाशकों की बिक्री कर रहे हैं, जिससे फसलों को भारी नुकसान होने का खतरा पैदा हो गया है।

कृषि विभाग के नियमों को ठेंगा

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कई ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में आवश्यक लाइसेंस एवं निर्धारित मापदंडों के बिना ही रासायनिक कीटनाशक सामग्री बेची जा रही है। सरकारी नियमानुसार किसी भी प्रकार की कीटनाशक दवा बेचने के लिए कृषि विभाग से बाकायदा लाइसेंस लेना, योग्य डिग्री होना और दुकान पर स्टॉक व मूल्य सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य होता है। लेकिन क्षेत्र पाडल्यामाता आसपास के कई गांव एवं शहर में इन नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है।

नकली और अमानक रासायनिक दवाओं का खतरा

इस अवैध धंधे से सबसे ज्यादा परेशान क्षेत्र के अन्नादाता हैं। किसानों का कहना है कि बिना लाइसेंस बिकने वाली इन दवाओं की गुणवत्ता बेहद संदिग्ध है। जागरूक किसान फरमान मंसूरी ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि इन नकली या निम्न गुणवत्ता वाली दवाओं का छिडकाव फसलों पर किया गया, तो कीट मरने के बजाय फसल ही बर्बाद हो जाएगी। इससे किसानों पर दोगुनी आर्थिक मार पडेगी।

किसानों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

मामले की गंभीरता को देखते हुए किसान कांग्रेस जिला सचिव कमल सिंह राणा एवं चंदर सिंह परमार ने कृषि विभाग तथा प्रशासन से इस दिशा में तुरंत कडे कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को एक विशेष जांच दल गठित कर ऐसे अवैध ठिकानों पर औचक छापेमारी करनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ केस दर्ज कर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। उधर, किसानों ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि कृषि क्षेत्र से जुडे उत्पादों की बिक्री में पूरी पारदर्शिता और नियमों का पालन बेहद आवश्यक है, ताकि भोले-भले किसानों को किसी भी प्रकार के आर्थिक धोखे से बचाया जा सके।

सड़क पर मवेशी आने पर ट्रक-कंटेनर की टक्कर में चालक फंसा, गेट तोड़कर निकाला

देवास। टोंककला के पास एक सड़क हादसे में ट्रक चालक क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गया। उसे बाहर निकालने के लिए करीब आधे घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। रस्सियों की मदद से केबिन का गेट खींचकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। जानकारी के अनुसार, अनीश पाल नामक चालक ट्रक लेकर देवास से मक्सी की ओर जा रहा था। उसके आगे चल रहे एक कंटेनर के सामने अचानक मवेशी आ गए, जिस पर कंटेनर चालक ने ब्रेक लगा दिए। पीछे चल रहा ट्रक समय पर नहीं रुक सका और कंटेनर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके चलते चालक अनीश पाल स्टेयरिंग और केबिन के बीच बुरी तरह फंस गया।हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीण और राहगीर तुरंत मदद के लिए पहुंचे। चालक को निकालने के कई प्रयास किए गए, लेकिन केबिन बुरी तरह दब जाने के कारण सफलता नहीं मिली। बाद में रस्सियों से केबिन और गेट को बांधकर खींचा गया, जिसके बाद करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला जा सका।

कई क्षेत्रों में आज प्रातः 7 से 11 बजे तक बंद रहेगी बिजली आपूर्ति

शाजापुर। शहर के कई क्षेत्रों में रविवार, 28 जून को सुबह 7 बजे से 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। बिजली कंपनी के अनुसार, 11 न्यू कलेक्टर फीडर पर रखरखाव और फोरलेन हाईवे निर्माण के तहत 11 केवी लाइन शिफ्टिंग का कार्य किया जाएगा। इस दौरान लालघाटी उपकेंद्र से निकलने वाले 11 केवी जेल, 11 केवी इमरजेंसी और 11 केवी शाजापुर प्रथम फीडर से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जिला पंचायत, जिला जेल, कलेक्ट्रेट, ट्रॉमा सेंटर, डाइट कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय, एसपी कार्यालय, विजय नगर, ज्योति नगर, राजराजेश्वरी मंदिर, डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल, लक्ष्मीनगर, राधास्वामी आश्रम, लोधियों रोड, हरियापुरा, पाटीदार नर्सिंग होम, टेंशन चौक, कॉलेज के पीछे का क्षेत्र, गांधी हॉल, पुलिस लाइन और होमगार्ड कार्यालय के आसपास के इलाकों में चार घंटे तक बिजली नहीं रहेगी। बिजली कंपनी ने लोगों से अपील की है कि वे अपने जरूरी काम पहले ही निपटा लें। विभाग ने बताया कि यदि निर्धारित कार्य समय से पहले पूरा हो जाता है, तो बिजली आपूर्ति भी तय समय से पहले शुरू कर दी जाएगी।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने ऋषभ राज चौहान पिता श्री बनेसिंह चौहान, निवासी-22, एल.आई.जी.-2, इन्द्रानगर आगर रोड उज्जैन से उनके स्वत्व एवं आधिपत्य का भुखण्ड क्रमांक-91 का दक्षिण-पूर्व दिशा वाला भाग, एच.आई.जी. ग्राम लालपुर हामुखेडी तहसील व जिला उज्जैन में स्थित हैं जिसका कुल क्षेत्रफल 159.06 वर्ग मीटर अर्थात 1712.85 वर्ग फीट हैं को मेरे पक्षकार ने सौदा कर विधिवत रूप से स्वयं के हित में अनुबंध पत्र के निष्पादन के समय बयाना राशि अदा कर अनुबंधित किया हैं तथा जाहिर सुचना के प्रकाशन पर किसी भी प्रकार की आपत्ति नही आने की दशा में निष्पादित अनुबंध पत्र की शर्त अनुसार निहित समयावधि में शेष राशि अदा कर दस्तावेज विक्रय पत्र का निष्पादन करवाया जावेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का सरकारी, साहूकारी या बैंक या किसी भी विभाग या वित्तिय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो या किसी का उक्त सम्पत्ति में कोई हक, हित, हिस्सा या अधिकार हो तो ऐसे सम्बंधित व्यक्ति / विभाग इस जाहिर सूचना प्रकाशन से पन्द्राह दिवस की अवधि में मय प्रमाण दस्तावेज सहित लिखित में अपनी आपत्ति कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत रूप से अनुबंध पत्र की शर्त अनुसार दस्तावेज विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जाएगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। इति दिनांक-27.06.2026
योगेश शर्मा एडवोकेट
कार्यालय-डी.एफ.-9, भरतपुरी काम्पलेक्स देवास रोड, उज्जैन

हुसैन या हुसैन के नारों से निकला ताजियों का जुलूस

बिछड़ौद। शुक्रवार को शहिद-ए-आजम इमाम हुसैन वह उनके साथियों की शहादत को याद करते मुस्लिम समाजजनों ने ताजियों का भव्य जुलूस निकाला। मोहर्रम पर मुस्लिम समाजजनों ने पारंपरिक तरिके से जुलूस निकालकर मुहर्रम का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। गांव की गलियों में ताजियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों की भीड़ देखने को मिली। देर शाम निकला ताजियों का जुलूस गांव में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। पारंपरिक जुलूस गांव के प्रमुख चौराहों से होता हुआ करबला पहुंचा। जुलूस में जगह- जगह शरबत पिलाकर ताजियों और समाजजनों का स्वागत किया। इस दौरान आस- पास के गांवों से भी ग्रामीण इकट्ठा हुए। शाम को जिन्होंने मोहर्रम का रोजा रखा था, उन्होंने मगरिब की अजान के बाद रोजा खोला। जुलूस करबला पहुंचकर समाप्त हुआ। करबला में लंगर और शरबत वितरण कर जुलूस का समापन किया। इस दौरान घट्टिया पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा। जानकारी जसीम रंगरेज ने दी।

रॉयल हाईट्स हायर सेकेंडरी स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान

जीरापुर। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित स्सेफ क्लिक 2.0 सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवनस्र साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान के तहत नगर के रॉयल हाईट्स हायर सेकेंडरी स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग तथा डिजिटल लेन-देन के दौरान आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में थाना प्रभारी हुकम सिंह मीणा, एसआई संतोष, एएसआई दिनेश महावर सहित पुलिस विभाग की टीम ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार, ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग एवं डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी अथवा संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। संस्था संचालक रणधीर सिंह ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए साइबर सुरक्षा की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से सुरक्षित इंटरनेट उपयोग करने तथा पुलिस द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया।

इमाम हुसैन की शहादत की याद में अकीदत के साथ निकाला गया मुहर्रम का जुलूस

सारंगपुर। हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मुहर्रम का जुलूस पूरी अकीदत और गमगीन माहौल में निकाला गया। इमाम हुसैन के बलिदान को याद करते हुए अकीदतमंदों ने या हुसैन की सदाएं बुलंद कीं। शान ए सारंगपुर के संचालक सय्यद फरमान काजी ने बताया मोहल्ला काजी वाडा से शुरू हुआ यह जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से होते हुए कर्बला तक पहुँचा। जुलूस में शामिल लोग काले लिबास में थे और इमाम हुसैन की शहादत के गम में मातम कर रहे थे। जगह-जगह ताजिया और अलम के साथ अकीदतमंदों ने खिराजे-अकीदत पेश की। शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस संपन्ना कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कडे प्रबंध किए गए थे। जुलूस के दौरान पुलिस बल की तैनाती रही और वरिष्ठ अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। मौलाना कल्बे अब्बास साहब ने जुलूस के दौरान इमाम हुसैन के बलिदान पर रोशनी डालते हुए कहा कि इमाम हुसैन की शहादत केवल एक घटना नहीं, बल्कि बुराई के खिलाफ सच्चाई और इंसानियत के लिए खडे होने का एक शाश्वत संदेश है। इस दौरान समाज के नफीस काजी,साजिद काजी, अमिल काजी, रुखसार काजी, सालार काजी, शब्बर काजी, शाहवर काजी और तमाम समुदाय के लोग शामिल हुए।

मशाल जुलूस के बाद निकला मोहर्रम का जुलूस, अखाड़ों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

बड़ौद। कर्बला की शहादत और इमाम हुसैन की याद में मनाए जाने वाले मोहर्रम पर्व पर गुरुवार रात्रि मुल्तानी मोहल्ले से शसाल जुलूस निकाला गया। मसाल जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ इमामबाड़े पहुंचा। देर रात इमामबाड़े से ताजिया जुलूस प्रारंभ हुआ, जो शुक्रवार सुबह नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए लगभग 11 बजे गांधी चौक पहुंचा। इसके बाद जुलूस का समापन पुनः इमामबाड़े पर हुआ। जुलूस के दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच अखाड़ों के कलाकारों ने पारंपरिक हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मार्गों पर मौजूद रहे। मोहर्रम जुलूस को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना प्रभारी रूप सिंह बैस अपनी पुलिस टीम के साथ पूरे समय मुस्तैद रहे और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखी।

मानसून की धमाकेदार दस्तक

दो घंटे की झमाझम बारिश से मिली राहत, कई मार्गों पर जलभराव व गंदगी की दिखी समस्या

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

लंबे इंतजार के बाद शुक्रवार को मानसून ने शुजालपुर क्षेत्र में दमदार दस्तक दी। सुबह से दोपहर करीब 12 बजे तक तेज धूप और उमस ने लोगों को बेहाल रखा, लेकिन दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली। देखते ही देखते आसमान काले बादलों से घिर गया और तेज गर्जना के साथ करीब दो घंटे तक झमाझम बारिश हुई। मानसून की पहली जोरदार बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली तथा मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया।

बारिश के चलते नगर की सड़कों पर चहल पहल कम हो गई। कई लोग बारिश का आनंद लेते नजर आए, वहीं बच्चों ने भी भीगकर मौसम का स्वागत किया। लगातार हुई वर्षा से तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान घटकर करीब 32 से 33 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई।

मानसून की अच्छी शुरूआत से

किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। क्षेत्र में अब तक करीब 40 प्रतिशत कृषि भूमि पर खरीफ फसलों की बुवाई हो चुकी है। इनमें सर्वाधिक रकबा सोयाबीन का है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से बुवाई कार्य में तेजी आएगी और फ सलों की अच्छी शुरूआत होगी।

सड़कों पर बहा नालियों का गंदा पानी

बारिश ने जहां मौसम खुशनुमा बना दिया, वहीं नगर की जल निकासी व्यवस्था की भी पोल खोल दी। कई निचले इलाकों में पानी भर गया। नालियों की समय पर सफ ाई नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बहता रहा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।महात्मा गांधी मार्ग पर पानी की टंकी के सामने सकरी नाली अधिक पानी का दबाव नहीं झेल सकी। इसके चलते नाली का गंदा पानी और कीचड़ सड़क पर फैल गया। कई दुकानों के सामने बदबूदार कीचड़ जमा हो गया, जिससे दुकानदारों को ग्राहकों की आवाजाही में दिक्कत हुई और राहगीरों को भी परेशानी झेलनी पड़ी।

अंडरब्रिज में भरा पानी, आवागमन ठप

बारिश के कारण रेलवे अंडरब्रिज में बड़ी मात्रा में पानी भर गया। दोपहर बाद स्थिति ऐसी हो गई कि अंडरब्रिज से आवागमन पूरी तरह बंद करना पड़ा। रेलवे फ टक बंद होने के दौरान हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भारी वाहनों, बसों और दोपहिया चालकों को काफ ी देर तक जाम में फं सना पड़ा। इससे लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

सफाई व्यवस्था सुधारने की मांग

स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने नगर पालिका से वर्षा ऋ तु को देखते हुए नालियों की नियमित सफ ाई और जल निकासी व्यवस्था में सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि मानसून की शुरूआत में ही यह स्थिति है, ऐसे में लगातार बारिश होने पर समस्या और गंभीर हो सकती है।

जवासिया पंथ-डोंगला मार्ग बदहाल होने से ग्रामीणों व स्कूली बच्चों की बढ़ी परेशानी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

जवासिया पंथ से डोंगला तक जाने वाला सड़क मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गया है। सड़क की खराब स्थिति के कारण क्षेत्र के ग्रामीणों, विद्यार्थियों और वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार इस मार्ग से करीब 10 से 12 गांवों के लोग आवागमन करते हैं। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसी मार्ग से स्कूली बसों का संचालन भी होता है, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में चिंता बनी हुई है। वाहन चालकों का कहना है कि गड्ढों के कारण वाहन फिसलने की घटनाएं बढ़ गई हैं और लोग चोटिल हो रहे हैं।

सड़क के दोनों ओर झाड़ियां उग आने से मार्ग और भी संकरा हो गया है। बड़े वाहनों को एक-दूसरे को साइड देने में कठिनाई का सामना

करना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है।

गायरी चौधरी समाज के तहसील अध्यक्ष मुकेश चौधरी (किटिया) ने बताया कि यह मार्ग जवासिया पंथ से किटिया और पानबिहार होते हुए सीधे उज्जैन से जुड़ता है। वहीं किटिया से बरखेड़ा बुजुर्ग, बालोंदा होते हुए यह मार्ग नारायणा रोड से भी संपर्क स्थापित करता है। शॉर्ट रूट होने के कारण इस सड़क पर यातायात का दबाव काफी अधिक रहता है।

मार्ग की जर्जर स्थिति को देखते हुए मुकेश चौधरी ने कलेक्टर एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखकर सड़क का शीघ्र निर्माण कराने और आवश्यक मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर आवागमन सुगम एवं सुरक्षित बनाने की मांग की है।

अकोदिया में मोहर्रम पर्व पर ताजियों का जुलूस निकला

अकोदिया। शाजापुर जिले के अकोदिया में शुक्रवार को मोहर्रम का पर्व पूरी अकीदत, शांति और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। जुम्मे की नमाज के बाद शाम 5 बजे से नगर में पारंपरिक ताजियों और सवारियों का जुलूस निकाला गया। जुलूस हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में निकाला गया। जुलूस में मुख्य रूप से नल साहब बाबा, छोटे साहब और सलीम बाबा की सवारियां शामिल रहीं, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र थीं।

नगर से कुल तीन मुख्य सवारियां उठीं, जिनमें पहली ब्राइट स्कूल क्षेत्र से, दूसरी राठी मोहल्ले से और तीसरी डाबरीपुरा से शुरू होकर मुख्य मार्ग पर पहुंचीं। इसके साथ ही ताहिर नगर क्षेत्र से 12 खूबसूरत ताजिए निकाले गए, जिन्हें नगर भ्रमण के बाद बड़े तालाब में विसर्जित किया गया।

अखाड़ों में दिखा युवाओं का कौशल

जुलूस के दौरान विभिन्न अखाड़ों के युवाओं ने लाठी, तलवारबाजी और पारंपरिक युद्ध कौशल का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। मातमी धुनों, ताशों और ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच जुलूस आगे बढ़ता रहा, जिसे देखने के लिए अकोदिया सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों से भी हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। इस मोहर्रम की सबसे बड़ी खूबी यहां का ताना-बाना रहा। नगर का खत्री समाज बरसों पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है।

स्वास्थ्य एवं जनसेवा संस्थानों में साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

सुसनेर। राज्य स्तरीय सेफ क्लिक अभियान-2.0 के तहत शुक्रवार को थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस एवं पुलिस स्टाफ द्वारा स्वास्थ्य एवं जनसेवा संस्थान जागरूकता दिवस के अवसर पर अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों एवं जनसेवा केंद्रों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आमजन को बढ़ते साइबर अपराधों से सतर्क रहने, ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से किसी भी संदिग्ध कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने अथवा बैंकिंग धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की।

कालापीपल सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मक्सी में बैठक संपन्न

प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया के स्वागत को लेकर बनी रणनीति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मक्सी

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के माननीय प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व में आगामी कालापीपल में आयोजित होने वाले जिला सम्मेलन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर मक्सी ब्लॉक इकाई की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक पत्रकार साथी पिंटू सिंह देवड़ा के निज निवास पर संपन्न हुई, जिसमें सम्मेलन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं पत्रकार साथियों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना 'चिंटू भाई' एवं जिला पदाधिकारी सूर्य परमार विशेष रूप से

उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष अभिषेक सक्सेना ने पत्रकार साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पूरे जिले के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है कि संगठन के माननीय प्रांत अध्यक्ष शलभ भदौरिया जिला सम्मेलन में शामिल होने आ रहे हैं। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों से बड़ी संख्या में सम्मेलन में पहुंचकर उनका आत्मीय स्वागत करने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक में सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श करते हुए आवश्यक जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। सभी पत्रकार साथियों ने एकजुट होकर कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मक्सी ब्लॉक अध्यक्ष राधेश्याम देवड़ा, सूर्य परमार, शहजाद खान, शकीर मालोटी, संजय राठौर, अर्पित परमार, ईशाक खान, मनोज जोशी, भरत परमार, इकबाल खान, औसाब खान, पिंटू सिंह देवड़ा, मूसाब भाई, नावेद खान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

प्याज और लहसुन के दामों में उछाल, आवक घटने से बढ़ी कीमतें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर।

स्थानीय कृषि उपज मंडी सारंगपुर में जून के अंतिम सप्ताह में प्याज और लहसुन के दामों में एक बार फिर जोरदार तेजी देखने को मिली है। पिछले कुछ दिनों से मंडी में दोनों प्रमुख नकद फसलों के भावों में लगातार सुधार हो रहा है। इस अचानक आई तेजी से जहां मंडी प्रांगण में व्यापारिक हलचल और प्रतिस्पर्धा काफी तेज हो गई है, वहीं अपनी बची हुई उपज को लेकर मंडी पहुंच रहे क्षेत्र के किसानों के चेहरों पर खुशी देखी जा रही है। सारंगपुर मंडी की अगर बात करें तो गुरूवार को मंडी में लहसून की करीब 1 हजार कट्टे की आवक हुई और दाम 6 हजार से लेकर 15 हजार रुपए क्विंटल तक रहे, जबकि प्याज के दाम भी लगातार बढ रहे है। मंडी से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्याज के दाम 10 रुपए से लेकर 25 रुपए किलो तक दर्ज किए गए।

क्यों आ रही है दामों में अचानक तेजी

मंडी व्यापारी जाबिर अंसारी के अनुसार इस भारी तेजी के पीछे मुख्य वजह देशव्यापी चौतरफा मांग और स्थानीय स्तर पर माल की सीमित आवक होना है। जून के महीने में अमूमन महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारतीय राज्यों की मंडियों में प्याज व लहसुन की स्थानीय आवक कमजोर पडने लगती है। इसके चलते मंडियों विशेषकर मालवा क्षेत्र की सारंगपुर मंडी पर बाहरी राज्यों के बडे निर्यातकों और थोक खरीदारों का दबाव काफी बढ गया है। इसके अलावा, मानसून की आमद को देखते हुए कई बडे स्टॉकिस्टों ने अच्छी और सूखी क्वालिटी के लहसुन व प्याज का भंडारण तेज कर दिया है, जिससे दैनिक नीलामियों में बोलियां लगातार ऊंची लग रही हैं।

मंडी के ताजा भावों पर एक नजर

लहसुन न्यूनतम भाव 6000, औसत भाव 12,400, और उच्चतम भाव 15000 प्रति क्विंटल तक पहुंच गया है। जबकि प्याज न्यूनतम भाव 1000, औसत भाव 1800 और उच्चतम भाव 2500 प्रति क्विंटल देखा जा रहा है। मंडी प्रांगण में अपनी उपज बेचने आए क्षेत्र के किसानों का कहना है कि शुरूआती सीजन में जब उन्होंने लहसुन और प्याज निकाला था, तब भाव काफी सामान्य थे और लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था। लेकिन जून के इस महीने में अचानक आई इस तेजी से उन्हें अपनी मेहनत का सही मूल्य मिल रहा है और मुनाफा कमाने में मदद मिल रही है।

किसान प्याज और लहसुन की उपज को ग्रेडिंग करके ही मंडी लाएं

मंडी प्रशासन और व्यापारिक सूत्रों का अनुमान है कि आगामी दिनों में यदि बारिश की शुरूआत के कारण परिवहन प्रभावित होता है या आवक इसी तरह सीमित बनी रहती है, तो दामों में और भी अधिक सुधार देखने को मिल सकता है। मंडी प्रशासन ने क्षेत्र के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि वे अपनी प्याज और लहसुन की उपज को अच्छी तरह सुखाकर और ग्रेडिंग करके ही मंडी लाएं, ताकि उन्हें अपनी क्वालिटी के अनुसार सर्वोत्तम और अधिकतम मूल्य प्राप्त हो सके। उल्लेखनीय है कि गुरूवार के बाद शनिवार और रविवार को मंडी का अवकाश है और सोमवार को मंडी में दाम बढ़ने की संभावना रहेगी।

मक्सी स्टेशन के पास ट्रेन से गिरा युवक, जिला अस्पताल रेफर

मक्सी। मक्सी रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार शाम को भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान भोपाल के रहने वाले विशाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विशाल दोपहर करीब 12:35 बजे भोपाल से ट्रेन में सवार हुआ था और आलोट अपनी ससुराल अपनी पत्नी से मिलने जा रहा था। जब ट्रेन मक्सी स्टेशन के पास पहुंची, तब वह कोच के दरवाजे (गेट) पर बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक उसका बैलेंस बिगड़ा और वह तेज रफ्तार चलती ट्रेन से सीधे नीचे कंक्रीट पर जा गिरा। ट्रेन से युवक के गिरने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए 108 एंबुलेंस और रेलवे पुलिस (प्रशासन) को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल विशाल को पहले मक्सी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

तेजाब फेंकने की घटना का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

राजगढ़ ब्यावरा। राजगढ़ जिले में गंभीर अपराधों की रोकथाम हेतु आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत बोडा पुलिस ने तेजाब फेंकने की घटना में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया फरियादी अशोक प्रताप पिता बाबूलाल धोबी निवासी किताखेड़ी हाल मुकाम ग्राम ढाबला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी रमेश पिता हजारीलाल धोबी 45 वर्ष निवासी ग्राम ढाबला ने उस पर तेजाब फेंककर हमला किया तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अपराध क्रमांक 201/2026 अंतर्गत धारा 124(1), 296 एवं 351(3) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। थाना प्रभारी ने विशेष पुलिस टीम गठित कर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। साथ ही संभावित स्थानों पर दबिश एवं तलाशी की। सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी ग्राम ढाबला में छिपा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा।

ट्रक और पिकअप वाहन में जोरदार भिड़ंत वाहनों चालक घायल हो गए

इंगोरिया। बदनावर-उज्जैन फोर लेन पर शुक्रवार शाम 5 बजे इंगोरिया श्रीनाथ होटल के समीप ट्रक और पिकअप वाहन में जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालक घायल हो गए। इंगोरिया तरफ से रांग साईड से उज्जैन जा रहे ट्रक ड्राइवर मोहम्मद जाकिर पिता रुस्तम उम्र 50 वर्ष निवासी आगर नाका उज्जैन और मनोज पिता अमृत राम निवासी पीर हिंगोरिया थाना बड़ावदा जिला रतलाम को इंगोरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया। यहां से दोनों को जिला चिकित्सालय उज्जैन रैफर कर दिया गया। थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि क्रेन की मदद से पिक वाहन को पुलिस थाने लाया गया। दुर्घटना में पिकअप दो हिस्सों में बट गई थी। इसमें घर गृहस्थी का सामान भरा था इंदौर से मंदसौर जा रही थी।

108 एम्बुलेंस ने मासूम को मारी टक्कर: गंभीर हालत में भर्ती

शाजापुर। दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक और एक बच्चा घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पहला हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे निपानिया डाबी के पास हुआ। पचोला बनहल निवासी शिवम काम से लौट रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में वह सड़क पर गिर गया और उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। दूसरा हादसा शाजापुर शहर की आदर्श कॉलोनी स्थित गोहिल अस्पताल के बाहर हुआ। यहां सड़क किनारे खड़े मोहम्मद शेख सयान नामक बच्चे को 108 एम्बुलेंस ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि एम्बुलेंस चालक किसी मरीज को लेने आया था। वाहन आगे बढ़ाते समय बच्चा उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसके सिर और माथे पर चोटें आईं। बच्चे के परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद जब उसके पिता ने एम्बुलेंस को रोकने की कोशिश की, तब चालक मरीज को वाहन में बैठाकर वहां से चला गया। घायल बच्चे का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

बडौद तहसील क्षेत्र हुई बोवनी

बडौद। शुक्रवार को दोपहर बाद डेढ़ घंटे तक तेज बारिश हुई बारिश के चलते नालियों का पानी सड़क पर निकल गया जिसके चलते नालियों को कचरा सड़कों पर आ गया और मौसम में ठंड खुल गई! इसी के साथ बडौद तहसील क्षेत्र में बोवनी हो गई है! मौसम खुलते ही किसान बोवनी करेंगे!

बच्चे को सिर्फ 'शाबाश' कहना काफी नहीं!

छोटे बच्चे बड़ों की तुलना में ज्यादा तेजी से सीखते हैं क्योंकि उनमें ज्यादा उत्साह और ऊर्जा होती है।

बढ़ाएं उनका कॉन्फिडेंस और बनाएं 'सुपरहीरो'

छोटे बच्चे बड़ों की तुलना में ज्यादा तेजी से सीखते हैं और इसकी वजह है उनमें किसी भी काम को लेकर ज्यादा उत्साह और ऊर्जा।

यही वो उम्र होती है जब बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने की जरूरत होती है। अगर आपका बच्चा दूसरों के सामने ज्यादा झिझकता है या बात करने में हिचकिचाता है तो बच्चों में आत्मविश्वास कम होने का एक संकेत है। ऐसे कई तरीके हैं जिनकी मदद से उन्हें ज्यादा आत्मविश्वासी बनाया जा सकता है, आइए इनके बारे में जानते हैं।

आत्मविश्वास यानी कॉन्फिडेंस एक स्किल है जो बढ़ती उम्र के साथ जिंदगी में तरक्की करने के लिए जरूरी है। छोटे बच्चों को बड़ी ही आसानी से कुछ बातों को फॉलो करके ज्यादा कॉन्फिडेंट बनाया जा सकता है

बच्चों की रुचि जानने की कोशिश करें

अपनी पसंद, अपनी रुचि या पढ़ाई उनपर थोपे नहीं, बल्कि बच्चों की रुचि जानने की कोशिश करें। बच्चों को उनकी पसंद जानने देना उन्हें खुद से मिलाने जैसा है, जो उनमें कॉन्फिडेंस बढ़ाने में मदद करता है।

छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें- बच्चों के लिए हर दिन का एक प्लान तैयार करें, जिसमें छोटे-छोटे लक्ष्य रखे गए हों। ये लक्ष्य कुछ भी हो सकते हैं, जैसे- एक चैप्टर रोजाना पढ़ना, 1 घंटा गेम्स खेलना, कोई नई भाषा सीखना आदि।

खुद रोल मॉडल बनें

पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वो सबसे पहले खुद अपने बच्चों के लिए एक मॉडल बनें। पेरेंट्स का अपने काम को लेकर बहुत ज्यादा कॉन्फिडेंट होना बच्चों को अपने आप यह संकेत देता है कि उन्हें भी वैसा ही बनना है। इसके लिए नए-नए टास्क को प्लानिंग और पॉजिटिविटी से संभालें।

नई चीजों को करने के लिए मोटिवेट करें

बच्चों को सिर्फ पढ़ाई तक सीमित न रखें, उन्हें नई-नई चीजों को करने के लिए प्रोत्साहन दें। इनमें स्पोर्ट्स गेम, नई भाषा सीखना, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट या पेंटिंग करना शामिल हो सकता है। ऐसी कोई भी स्किल जो उन्हें भीड़ में अलग से दिखाए।

रंग भरकर चित्र बनाओ

रास्ता खोजो

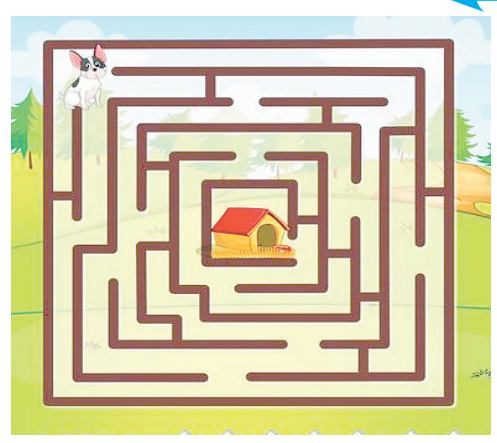

बिना डांटे अगर बच्चों को अपनी बात समझाई जाए, तो वे जल्दी उस बात को समझते हैं और फॉलो भी करते हैं।

बच्चों को समझदार बनाने के असरदार टिप्स

बच्चों की परवरिश में उन्हें अनुशासन सिखाना बेहद जरूरी होता है, लेकिन कई बार उनके पेरेंट्स गुस्से में आकर उनपर चिल्ला देते हैं। यह तरीका बच्चों के व्यवहार को सुधारने की जगह उन्हें डराने या भावनात्मक रूप से दूर करने का कारण बन सकता है।

ऐसे में आपके शांत, समझदारी भरे व्यवहार और पॉजिटिव नजरिए से, बच्चों में न केवल अनुशासन, बल्कि आत्मविश्वास, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। अगर आप अपने बच्चे को बेहतर दिशा देना चाहते हैं, तो यहां बताए गए कुछ प्रभावी तरीकों को आजमाएं।

बच्चों को कैसे सिखाएं अनुशासन?

शांति से बात करें- बच्चों से गुस्से में नहीं, बल्कि शांति से बात करें। जब आप शांत रहकर अपनी बात रखते हैं, तो बच्चा उसे ज्यादा गंभीरता से सुनता है। आपका धैर्य उसके लिए एक उदाहरण बनता है कि कैसे भावनाओं पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

सीमाएं तय करें- बच्चों को यह बताना जरूरी है कि उनसे क्या उम्मीदें की जा रही हैं। डिनर के बाद होमवर्क करना है या खिलौने खेलने के बाद वापस रखना है जैसी क्लीयर बाउंड्री तय करने से वे अपनी जिम्मेदारी समझते हैं।

डांटे नहीं, गाइड करें- गलती पर तुरंत चिल्लाने के बजाय बच्चे को समझाएं कि उसने क्या गलत किया और क्यों उसे सुधारने की जरूरत है। उदाहरण के तौर पर कहें, अगर तुमने खिलौने समेटे होते, तो कमरा और अच्छा लगता।

टाइम-इन अपनाएं, टाइम-आउट नहीं- बच्चे को दूर करने की जगह उसे अपने पास बैठाएं और उसके साथ बात करें। टाइम-इन में आप उसे शांत करते हुए समझाते हैं कि उसका व्यवहार क्यों गलत था।

अच्छे व्यवहार की तारीफ करें- जब बच्चा कुछ अच्छा करे, उसकी सराहना करें, जैसे कि मुझे अच्छा लगा कि तुमने अपनी चीजें खुद रखीं।

बिंदु जोड़कर चित्र बनाओ

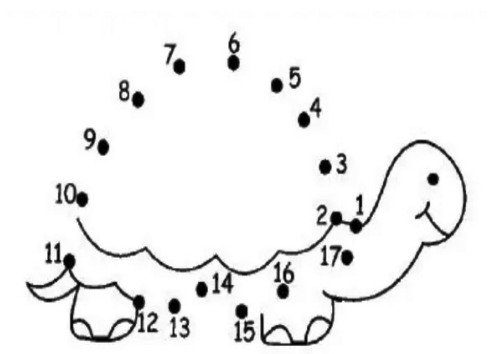

Sport

भारत का विमेंस टी-20 वर्ल्डकप में दूसरा बड़ा रनचेज

चरणी एक एडिशन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 137 रन का टारगेट हासिल कर बांग्लादेश को 5 विकेट से हरा दिया। यह भारतीय टीम का विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरा सबसे बड़ा रनचेज है। वहीं, श्री चरणी एक टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बन गई हैं।

शेफाली को 53 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड हासिल करने वाली प्लेयर्स के क्लब में शामिल हो गई हैं। इस क्लब में स्मृति मंधाना और मिताली राज जैसे नाम हैं।

अतिशीघ्र आवश्यकता है
जेके सीमेन्ट उज्जैन में
कम पढ़े लिखे व्यक्ति 12 हजार रुपये महीना, पीएफ/ई.एस.आई.सी./ चार छुट्टियां, 8 घंटे ड्यूटी
महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर : जिसे कम्प्यूटर का ज्ञान हो (ऑफिस के लिए) सेलरी योग्यतानुसार।
महाकाल इंजीनियरिंग सर्विसेस
22, सिद्धी विनायक, कॉम्प्लेक्स, शहीद पार्क, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9425091176
समय : 11:30 से 3 बजे तक

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

आवश्यकता
आवश्यकता आवश्यकता आवश्यकता
केयर इंटरप्राइजेस
(इलेक्ट्रानिक्स एंड फर्नीचर हाउस
उज्जैन, में प्रोडक्ट बेस्ड माइक्रो फाइनेंस (No Cost EMI) मे कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है
फील्ड स्टाफ :- लडके / लडकी
पद - 6 योग्यता कम से कम 10वीं पास
सैलरी : 13000 + इंसेंटिव + पेट्रोल खर्च + मोबाईल खर्च
नोट : केवल फील्ड करने के इच्छुक व्यक्ति ही आमंत्रित है।
स्थान
अवंतिका डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड होलसेलर्स
दो तालाब के पास,रिलायंस मार्ट के सामने,उज्जैन (म.प्र.)
इंटरव्यू दिनांक - 28/06/2026
दिन - रविवार
समय - 1 से 3 बजे तक
इंटरव्यू में अपना रिज्यूम मय फोटो लाना अनिवार्य है।
मो.नं. :- 6265895202,8224800652,9753977098

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बरः-2557390

विज्ञप्ति
क्षीरसागर कॉलोनी स्थित भूखण्ड क्रमांक 3 नजर अली मार्ग, पथ क्रमांक 3, उत्तरमुखी खुला भूखण्ड 46 फीट बाय 66 फीट विक्रय किया जाना है। वास्तविक इच्छुक व्यक्ति ही स्वयं सम्पर्क करें, मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।
चन्द्रकान्त शुक्ला
मो. 9406801039

मकान बेचना है
गणेशपुरा मक्सी रोड मेन चौराहा, गली नंबर 1 में 20x40 में निर्मित सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।
संपर्क
8717818385

आवश्यकता है
स्टॉफ की आवश्यकता है न्यू ओपनिंग रेस्टोरेंट के लिए- 2- कचोरी-समोसा, जलेबी बनाने वाले उस्ताद, 2- रेस्टोरेंट मैनेजर्स, 2- इंडिया शैफ, 2- तंदूर, 2- कैशियर, 5- किचन हेल्पर, 3- पैंट्री वाले, 4- कैप्टन, 6-वेटर, 4- हाउस किपिंग वालों की आवश्यकता है।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
9893713817

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

इन्दौर में 2 BHK फ्लेट बेचना है।
सीता श्री रेसीडेंसी
ऐयर पोर्ट मेनरोड कालानी नगर के पास
ग्राउंड फ्लोर में 4 बैंक व 4 दुकाने है
पास में, मेट्रो स्टेशन निर्माणाधीन मोके की जगह ।
सीधे आनर से संपर्क करें ।
9669578652

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटनें मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशाति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

अवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक और युवती की।
कोट पेन्ट बनाने वाले कारीगर की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
प्रोमिस टेलर मेट्रो टॉकीज के सामने (उज्जैन)
संपर्क करें
7974817308, 9516848052

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

आधी रात महिला के घर पहुंचा युवक बच्चे को साथ ले जाने की कोशिश

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के बीच एक युवक पर महिला के घर पहुंचकर मारपीट करने, चाकू दिखाकर धमकाने और बच्चे को अपने साथ ले जाने की कोशिश करने का आरोप लगा है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाणगंगा पुलिस के अनुसार शांति दीप गैस एजेंसी के पीछे रहने वाली ममता यादव ने शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि 26 जून की रात करीब 1 बजे हिमांशु राणा उसके घर के आंगन में पहुंचा और उसके बच्चे को अपने पास लेकर खिलाने लगा। ममता के मुताबिक काफी देर तक जब हिमांशु ने बच्चे को वापस नहीं किया तो उसने उसे बच्चे को लौटाने और अपने घर जाने के लिए कहा। इस बात पर आरोपी नाराज हो गया और बच्चे को वापस देने से इनकार करते हुए महिला से विवाद करने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर हिमांशु ने महिला को धक्का दे दिया, जिससे वह गिर गई। इसके बाद उसने कहा कि अब बच्चा कोर्ट से लेना और फिर चाकू निकालकर महिला की ओर दौड़ पड़ा। इसी दौरान पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंच गई।

बच्चों को स्कूल छोड़ने के दौरान महिला पर बनाता था बात करने का दबाव

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति पर लगातार पीछा करने, बात करने और होटल चलने का दबाव बनाने तथा मना करने पर बदनाम करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय महिला की शिकायत पर बसंत गायकवाड़ के खिलाफ शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की गई है। महिला ने बताया कि अप्रैल माह में उनके घर के बाहर हौज का काम चल रहा था। इसी दौरान बसंत वहां आया और बहाने से बातचीत करने लगा। महिला ने सामान्य बातचीत की, लेकिन इसके बाद बसंत लगातार उसके पीछे पड़ गया और उस पर बुरी नजर रखने लगा। महिला का आरोप है कि जब भी वह घर के बाहर खड़ी होती, बसंत उसे देखकर अश्लील इशारे करता था। बच्चों को स्कूल छोड़ने और लाने के दौरान भी वह उसका पीछा करता था। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने कहा कि वह उसके पति से कह देगा कि दोनों का अफेयर चल रहा है।

बर्थ डे पार्टी के दौरान शराब के नशे में हुआ विवाद खूनी झड़प में बदला

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआं थाना क्षेत्र में बर्थडे पार्टी के दौरान शराब के नशे में हुआ विवाद खूनी झड़प में बदल गया। आरोप है कि कहासुनी के बाद एक युवक के चेहरे और गले पर चाकू से हमला किया गया, जबकि उसके भाई के सिर पर कांच की बोतल मारकर घायल कर दिया गया। शुरुआती जानकारी में पूरा विवाद जुए के अड्डे पर हुआ। मामले में पूछताछ के डर से उसे दबा दिया गया। पुलिस के अनुसार, शुभ संप्रदा कॉलोनी निवासी राहुल धामेलिया ने शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने भाई लखन धामेलिया के साथ सीएनजी पंप के पास चोइथराम मंडी क्षेत्र में दोस्तों शानू और शुभम से मिलने गया था। वहां सज्जू सिधवानी, गिरी महाराज और अन्य लोग भी मौजूद थे। सभी मिलकर बर्थडे पार्टी मना रहे थे। शिकायत के मुताबिक, पार्टी के दौरान शराब के नशे में सज्जू सिधवानी ने राहुल के भाई लखन के साथ अभद्रता और गाली-गलौज की। विरोध करने पर उसने गिरी महाराज और अन्य साथियों को बुला लिया। इसके बाद सभी ने मिलकर राहुल और लखन के साथ मारपीट शुरू कर दी।

धार का 9.71 करोड़ का बस स्टैंड अधूरा, 2024 में पूरा होने का दावा फेल

धार। धार शहर में 9.71 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा आधुनिक बस स्टैंड भूमिपूजन के 1143 दिन बाद भी पूरा नहीं हो सका है। वर्ष 2024 तक परियोजना पूरी कर जनता को सौंपने का दावा किया गया था, लेकिन वर्ष 2026 आ जाने के बाद भी निर्माण अधूरा है। पिछले कई महीनों से निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पड़ा है, जिससे अधूरा ढांचा अब बदहाली का शिकार होने लगा है। आधुनिक बस स्टैंड का भूमिपूजन 10 मई 2023 को जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया था। उस समय दावा किया गया था कि यह परियोजना वर्ष 2024 तक पूरी कर आम लोगों को समर्पित कर दी जाएगी। लेकिन तय समय-सीमा गुजर जाने के बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। बस स्टैंड निर्माण स्थल पर पिछले कई महीनों से कोई काम नहीं हो रहा है। वहां न मजदूर दिखाई दे रहे हैं और न ही निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनें मौजूद हैं। ठेकेदार का अस्थायी कार्यालय भी वहां से हटा दिया गया है, जिससे साफ है कि निर्माण कार्य लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है।

बदनावर में बोवनी तेज, अधिकतर गांवों में आधे से ज्यादा रकबे में सोयाबीन की बोवनी

बदनावर। बदनावर नगर और आसपास के इलाकों में शनिवार को एक बार फिर पानी गिरा। दोपहर के बाद कई गांवों में तेज बारिश हुई, तो वहीं बदनावर शहर और कुछ जगहों पर रिमझिम फुहारें पड़ती रहीं। इस बारिश से खेतों में अच्छी-खासी नमी आ गई है, जिसके बाद किसानों ने सोयाबीन की बोवनी का काम तेज कर दिया है। पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के बाद किसान ट्रैक्टर और खेती-किसानी के औजार लेकर खेतों में जुट गए हैं। ज्यादातर गांवों में आधे से ज्यादा रकबे में सोयाबीन बोई जा चुकी है। काछीबड़ौदा जैसे कुछ गांवों में तो किसानों ने पहली बारिश होते ही बोवनी कर दी थी, जहां अब बीज भी अंकुरित हो गए हैं। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे अचानक मौसम बदला और कई गांवों में 20 मिनट तक तेज पानी गिरा, जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे। मालवा के मुख्य सोयाबीन उत्पादक इलाकों में गिने जाने वाली बदनावर तहसील में इस साल करीब 78 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन बोए जाने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना से हरिद्वार-ऋषिकेश यात्रा शुरू, झाबुआ से 191 तीर्थयात्री रवाना

झाबुआ। मध्य प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत झाबुआ जिले के 191 वरिष्ठ नागरिक शुक्रवार को हरिद्वार और ऋषिकेश की तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुए। मेघनगर रेलवे स्टेशन से महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर यात्रा की शुरूआत कराई। तीर्थयात्रा दल में 191 श्रद्धालुओं के साथ 4 अनुरक्षक और 5 सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। चार दिन की यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखने की जिम्मेदारी इन्हीं पर रहेगी। कार्यक्रम में मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार वरिष्ठ नागरिकों की आस्था और सम्मान को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना का संचालन कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य उन बुजुर्गों को तीर्थयात्रा का अवसर देना है, जो वर्षों से इसकी इच्छा रखते थे लेकिन किसी कारण से यात्रा नहीं कर पाए।

खाद के लिए किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया, ई-टोकन व्यवस्था के खिलाफ जताया विरोध

आलीराजपुर। आलीराजपुर में खरीफ सीजन के दौरान खाद की कमी, ई-टोकन व्यवस्था की अव्यवस्था और कालाबाजारी के आरोपों को लेकर किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। गुरुवार को बड़ी संख्या में किसानों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की। किसानों ने आरोप लगाया कि जिले में यूरिया और डीएपी खाद समय पर उपलब्ध नहीं हो रही है। ई-टोकन व्यवस्था के कारण ग्रामीण और अशिक्षित किसानों को विशेष परेशानी हो रही है। कई किसानों को टोकन नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि टोकन मिलने के बाद भी खाद न मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि कई वितरण केंद्रों पर घंटों लाइन में लगने के बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। इससे बोवनी का कार्य प्रभावित हो रहा है और फसल उत्पादन पर संकट मंडरा रहा है। किसानों का यह भी आरोप है कि सर्वर अक्सर डाउन रहता है और टोकन देर रात जारी किए जाते हैं, जिससे ग्रामीण किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। किसानों ने एक अन्य समस्या भी बताई कि आलीराजपुर ब्लॉक के किसानों को कई बार चंद्रशेखर आजाद नगर, जोबट और उदयगढ़ जैसे दूरदराज के केंद्रों के टोकन जारी हो जाते हैं। इन केंद्रों पर पहुंचने के बाद खाद उपलब्ध न होने या वितरण से इनकार किए जाने के कारण किसानों को निराश होकर लौटना पड़ता है।

एमडी-ड्रग्स निकला यूरिया: दो आईपीएस समेत 19 पुलिसकर्मियों पर साजिश का आरोप

बर्खास्त पुलिसकर्मी को कोर्ट ने बरी किया, अब अफसरों पर लगा रहे केस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर पुलिस ने जिस 198 ग्राम पदार्थ को करोड़ों रुपए की एमडी ड्रग्स बताकर बड़ी कार्रवाई का दावा किया था, वह जांच में यूरिया निकला। इस मामले में गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मी समेत तीनों आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया है। अब बर्खास्त पुलिसकर्मी ने दो आईपीएस अधिकारियों सहित 19 पुलिसकर्मियों पर झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया है।

करीब 16 महीने पहले इंदौर पुलिस ने विजय पाटीदार और शाहनवाज शेख को गिरफ्तार कर उनके पास से 198 ग्राम एमडी ड्रग्स मिलने का दावा किया था। पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिसकर्मी

लखन गुप्ता का नाम लिया, जिसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बाद में विभाग ने उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया।

लखन के वकील नितिन पाराशर के अनुसार, परिवाद में विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। विशेष कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट जांच कराने, एफआईआर दर्ज करने या अन्य कानूनी कार्रवाई को लेकर आदेश दे सकता है।

यह मामला अब इंदौर पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े कर रहा है, क्योंकि जिस पदार्थ को करोड़ों की एमडी ड्रग्स बताया गया था, वह दोनों सरकारी लैब की जांच में साधारण यूरिया निकला।

लखन ने कहा- साजिश के तहत फंसाया गया

कोर्ट से बरी होने के बाद लखन गुप्ता ने विशेष अदालत में परिवाद दायर कर दो आईपीएस अधिकारियों समेत 19 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि उन्हें सुनियोजित साजिश के तहत झूठे ड्रग्स केस में फंसाया गया।

मुखबिर के जरिए आरोपियों से नाम कहलवाया

लखन का कहना है कि कुछ पुलिसकर्मियों ने मुखबिर के जरिए आरोपियों से उनका नाम कहलवाया। इसके बाद उन्हें आजाद नगर से उठाकर तेजाजी नगर थाने लाया गया, पूछताछ की गई और फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बाद में नौकरी से भी बर्खास्त कर दिया गया।

भोपाल और हैदराबाद की लैब में कराई जांच

जांच के दौरान जब्त पदार्थ के सैंपल भोपाल की फॉरेंसिक लैब भेजे गए। रिपोर्ट में साफ हो गया कि कथित एमडी ड्रग्स वास्तव में यूरिया है और वह किसी भी तरह का नारकोटिक पदार्थ नहीं है। इसके बाद पुलिस ने दोबारा हैदराबाद की सेंट्रल लैब से जांच कराई, लेकिन वहां भी रिपोर्ट में पदार्थ यूरिया ही निकला। दोनों रिपोर्टों के आधार पर कोर्ट ने लखन गुप्ता समेत तीनों आरोपियों को बरी कर दिया।

इंदौर में मोबाइल स्नेचिंग गैंग का खुलासा: सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे आरोपी

दो आरोपी गिरफ्तार, पांच मोबाइल और एक बाइक बरामद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

अन्नपूर्णा थाना पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग की वारदातों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए पांच मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। आरोपी सुनसान इलाकों में घूमकर महिलाओं और राह चलते लोगों के हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो जाते थे।

अन्नपूर्णा थाना प्रभारी हित गोपाल यादव को पिछले दिनों इलाके में लगातार मोबाइल लूट की शिकायतें मिल रही थीं। पीड़ितों ने पुलिस को बताया था कि बाइक सवार बदमाश उनके हाथ से मोबाइल छीनकर भाग गए। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और बदमाशों की पहचान की।

स्नेचिंग की वारदात कबूल की- पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहुल पुत्र गोपाल रावत निवासी विदुर नगर कॉलोनी और संयम पुत्र राजेश मोर निवासी बापू घनश्याम दास नगर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अन्नपूर्णा क्षेत्र में ही तीन मोबाइल स्नेचिंग की वारदात करना कबूल किया है।

शौक-मौज के लिए करते थे वारदात

- पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी शौक पूरा करने के लिए मोबाइल लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपी बाइक से सुनसान इलाकों में घूमते और मौका मिलते ही मोबाइल छीनकर फरार हो जाते थे।
- जांच में सामने आया है कि आरोपियों के संपर्क जेल रोड के कुछ व्यापारियों से भी हैं। पुलिस ने पूछताछ के दौरान कुछ लोगों के नाम मिलने की बात कही है। फिलहाल आरोपियों से आगे की पूछताछ की जा रही है और अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

खजराना में ठेकेदार पर चाकू से हमला, मीडियाकर्मी गिरफ्तार

पुलिस ने निकाला जुलूस आरोपी को जेल भेजा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खजराना थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के बाद एक मीडियाकर्मी ने गुरुवार को ठेकेदार पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी का इलाके में जुलूस निकाला और फिर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं हमले में घायल ठेकेदार की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

खजराना पुलिस के अनुसार घटना तंजीम नगर क्षेत्र की है। यहां रहने वाले मीडियाकर्मी आरिफ बरकाती और ठेकेदार शानू के बीच एक दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। कहासुनी के बाद दोनों अलग हो गए थे। आरोप है कि कुछ देर बाद शानू ने आरिफ के घर के बाहर पहुंचकर उसे अपशब्द कहना शुरू कर दिए। इसी दौरान आरिफ घर से चाकू लेकर बाहर आया और शानू पर कई वार कर दिए। हमले में शानू सड़क पर गिर गया। बाद में उसे ऑटो से बॉम्बे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई।

घोड़ी रात को जब नहीं नाची तो डंडे से की पिटाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

नृसिंह बाजार चौराहे के पास एक घोड़ी को डंडे से पीटकर जबरन नचाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पशु प्रेमियों और सामाजिक संगठनों में नाराजगी है।

पशु कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत नीडीटेल फाउंडेशन के प्रियांश जैन ने पंढरीनाथ थाना पुलिस को शिकायत देकर मामले में एफआईआर दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मामला 25 जून 2026 की रात करीब 11 बजे का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति घोड़ी को नियंत्रित करने और नचाने के लिए डंडे का इस्तेमाल करता दिखाई दे रहा है। आसपास मौजूद लोग यह तमाशा देखते रहे, लेकिन किसी ने हस्तक्षेप नहीं किया।

इसी घोड़ी का एक अन्य वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसे सड़क पर नचाया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि घोड़ी को दर्द और भय के माध्यम से प्रदर्शन करने के लिए मजबूर किया गया। कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि जांच में यह साबित होता है कि घोड़ी को अनावश्यक पीड़ा पहुंचाई गई या उसे बेरहमी से पीटा गया, तो मामला पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत दर्ज किया जा सकता है। इस धारा के तहत किसी पशु को मारना, पीटना, यातना देना या अनावश्यक कष्ट पहुंचाना दंडनीय अपराध माना गया है। इसके अलावा, यदि जांच में पशु को गंभीर चोट, स्थायी नुकसान या अपंगता पहुंचाने के प्रमाण मिलते हैं, तो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 325 भी लागू हो सकती है। इस धारा के तहत किसी पशु को घायल, अपंग या बेकार करने पर पांच वर्ष तक के कारावास, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

अटाला बाजार में निगम कार्रवाई के बाद हंगामा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

राजवाड़ा स्थित अटाला बाजार में नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान शुक्रवार को विवाद खड़ा हो गया। कार्रवाई के बाद स्थानीय व्यापारियों और फुटपाथ विक्रेताओं ने निगम के रिमूवल दल पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। व्यापारियों का आरोप है कि निगम की रिमूवल टीम (पीली गैंग) कार्रवाई से पहले पैसों की मांग करती है, फिर रुपए लेने के बावजूद सामान जब्त करने और कार्रवाई करने से नहीं चूकती। यदि इस प्रकार की कार्यशैली जारी रही तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। कई फुटपाथ विक्रेताओं और व्यापारियों ने आरोप लगाया कि अभियान के दौरान रिमूवल दल के एक सुपरवाइजर ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

तीन दिन में 5 बसों में तोड़फोड़

एजेंटी विवाद का आरोप; बस संचालकों ने पुलिस कमिश्नर से की शिकायत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

छोटी ग्वालटोली, तिलकनगर, भंवरकुआं और संयोगितागंज थाना क्षेत्रों में पांच बसों में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। बस संचालकों ने आरोप लगाया है कि पूरा विवाद बसों का एजेंट बनने को लेकर है। मामले में दो थानों में नामजद शिकायत दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर शनिवार को बस संचालक पुलिस कमिश्नर से शिकायत करने पहुंचे।

पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से देवास बस यूनियन और चौहान ट्रेवल्स के संचालक धर्मेंद्र चौहान ने मुलाकात की। उन्होंने बताया कि उनकी बसें देवास-इंदौर और इंदौर-इच्छापुर रूट पर संचालित होती हैं। धर्मेंद्र चौहान ने शिकायत में बताया कि 25 जून को राहुल सोनकर और उसके साथियों ने बस के ड्राइवर और स्टाफ के साथ मारपीट की थी। इसके बाद बस के अंदर तोड़फोड़ भी की गई। घटना की सूचना स्टाफ ने 112 नंबर पर दी थी। बस संचालकों का आरोप है कि इसके बाद दो दिनों के भीतर करीब चार अन्य बसों में भी तोड़फोड़ की गई। घटना के समय कई यात्री बसों में मौजूद थे, जिससे बड़ी घटना हो सकती थी।

अवैध वसूली का भी लगाया आरोप

- बस यूनियन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि राहुल सोनकर के साथ कपिल नाम का व्यक्ति भी बस संचालकों पर दबाव बनाता है और एजेंटी के नाम पर अवैध वसूली की कोशिश करता है। इस संबंध में भंवरकुआं और तिलकनगर थानों में शिकायत भी की गई थी, लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई।
- बस संचालकों ने पुलिस कमिश्नर से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने मामले में उचित जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आवश्यकता
आवश्यकता आवश्यकता आवश्यकता
केयर इंटरप्राइजेस
(इलेक्ट्रानिक्स एंड फर्नीचर हाउस
उज्जैन, में प्रोडक्ट बेस्ड माइक्रो फाइनेंस (No Cost EMI)
मे कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है
फील्ड स्टाफ :- लडके / लडकी
पद - 6 योग्यता कम से कम 10वीं पास
सैलरी : 13000 + इंसेंटिव + पेट्रोल खर्च + मोबाईल खर्च
नोट : केवल फील्ड करने के इच्छुक व्यक्ति ही आमंत्रित है।
स्थान
अवंतिका डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड होलसेलर्स
दो तालाब के पास,रिलायंस मार्ट के सामने,उज्जैन (म.प्र.)
इंटरव्यू दिनांक - 28/06/2026
दिन - रविवार
समय - 1 से 3 बजे तक
इंटरव्यू में अपना रिज्यूम मय फोटो लाना अनिवार्य है।
मो.नं. :- 6265895202,8224800652,9753977098

अतिशीघ्र आवश्यकता है
जेके सीमेन्ट उज्जैन में
कम पढ़े लिखे व्यक्ति 12 हजार रुपये महीना,
पीएफ/ई.एस.आई.सी./ चार छुट्टियां, 8 घंटे ड्यूटी
महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर : जिसे कम्प्यूटर का ज्ञान हो
(ऑफिस के लिए) सेलरी योग्यतानुसार।
महाकाल इंजीनियरिंग सर्विसेस
22, सिद्धी विनायक, कॉम्प्लेक्स, शहीद पार्क, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9425091176
समय : 11:30 से 3 बजे तक

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटनें मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com